■ आश्विन कृष्णा - 1 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 46 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 08-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 पिछली सरकारों के शासन में युवाओं के सामने था पहचान का संकट : योगी आदित्यनाथ

6 भारत का 'डिजिटल डायमंड' : वैश्विक ताकत का नया प्रतीक

7 'एक चतुर नार' में कॉमेडी के रंग में नजर आएंगी दिव्या खोसला

फर्स्ट टेक

जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने इस्तीफा देने की घोषणा की

टोक्यो/एपी। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने रविवार को पद छोड़ने की घोषणा की। उन्होंने जुलाई में हुए संसदीय चुनाव में हार की जिम्मेदारी लेने के लिए उनकी पार्टी की ओर से बढ़ती मांग के मद्देनजर यह कदम उठाया है। पिछले साल अक्टूबर में पदभार ग्रहण करने वाले इशिबा ने अपनी ही पार्टी के भीतर अधिकतर दक्षिणपंथी विरोधियों की मांगों की एक महीने से अधिक समय तक अनदेखी की थी। इशिबा का यह कदम ऐसे समय सामने आया है, जब उनकी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) नेतृत्व चुनाव कराने को लेकर निर्णय करने वाली है। यदि इसे मंजूरी मिल जाती है, तो यह उनके खिलाफ एक प्रकार का अविश्वास प्रस्ताव होगा। इशिबा ने कहा कि वह अपने उत्तराधिकारी के लिए पार्टी नेतृत्व के मतदान की प्रक्रिया शुरू करेंगे।

नाइजीरिया में बोको हराम के आतंकवादियों ने 60 लोगों की हत्या की

मैदुगुरी (नाइजीरिया)/एपी। बोको हराम के आतंकवादियों ने उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया में एक गांव पर रात में हमला कर कई लोगों की हत्या कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह गांव उन लोगों का निवास स्थान है जो आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के शिविर से हाल में लौटे थे। गांव के निवासी मोहम्मद बाबागाना ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि बामा स्थानीय सरकारी क्षेत्र में दारुल जमाल पर हमला शुक्रवार देर रात हुआ और इसमें कम से कम 60 लोग मारे गए। बोर्नो राज्य के गवर्नर बाबागाना जुलुम, जिन्होंने शनिवार देर शाम गांव का दौरा किया, ने पुष्टि की कि हमले में 60 से अधिक लोग मारे गए हैं।

पश्चिम एशिया, दक्षिण एशिया के कुछ हिस्सों में इंटरनेट बाधित

नई दिल्ली/भाषा। लाल सागर में समुद्र के नीचे केबल खराबी के कारण दक्षिण एशिया सहित कई देशों में इंटरनेट संपर्क प्रभावित हुआ। इंटरनेट पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था नेटब्लॉक्स ने बताया कि इस व्यवधान से भारत भी प्रभावित है। दूसरी ओर भारतीय दूरसंचार परिचालकों ने कहा कि अभी तक उनकी इंटरनेट और डेटा संपर्क सेवाओं पर कोई प्रभाव नहीं हुआ है, क्योंकि उनके नेटवर्क में कई मार्गों पर समुद्र के नीचे केबल का अतिरिक्त समर्थन है। दक्षिण पूर्व एशिया – पश्चिम एशिया – पश्चिमी यूरोप चार केबल का संचालन टाटा कम्युनिकेशंस सहित दूरसंचार कंपनियों के एक संघ द्वारा किया जाता है।

सूर्यास्त 08-09-2025 6:25 बजे	सूर्योदय 09-09-2025 6:08 बजे
BSE 80,710.76 (-7.25)	NSE 24,741.00 (+6.70)
सोना 11,081 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 127,055 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सर्वधर्म समभाव

अगर सभी पढ़ कर समझें,
रामायण बाइबिल और कुरान।
गुरुवाणी का भी करें पाठ,
महावीर बुद्ध पर धरें ध्यान।
समझें यदि सबका सार तत्व,
वैदिक वैज्ञानिक सोच जान।
समभाव और समरसता से,
जानें भारत है क्यों महान।।

रुपए पर हमारी नजर है, निर्यातकों की सहायता के लिए काम जारी : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- अमेरिका ने रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है। इससे कुल मिलाकर शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है।
- चीनी बाजार तक पहुंच के लिए भारत लगातार प्रयास कर रहा है, बातचीत हो रही है। हम पहले से इस पर काम कर रहे हैं। इसे आगे बढ़ाने की जरूरत है।

नई दिल्ली/भाषा। रुपए की विनिमय दर में गिरावट के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि हमारी इस पर नजर है, लेकिन हमें यह भी देखना होगा घरेलू मुद्रा में गिरावट केवल अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में है। यह केवल रुपए का मामला नहीं है और दूसरे देशों की मुद्राएं भी प्रभावित हैं। सीतारमण ने यह भी कहा कि अमेरिकी शुल्क से निर्यातकों पर पड़े प्रभाव से निपटने में मदद के लिए संबंधित मंत्रालय और विभाग इस पर काम कर रहे हैं।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को रुपया गिरावट से उबरते हुए तीन पैसे की तेजी के साथ 88.09 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे एक दिन पहले अमेरिकी डॉलर के मुकाबले यह 88.12 के भाव पर बंद हुआ था। रुपया दो सितंबर को अबतक के सबसे निचले स्तर 88.15 पर बंद हुआ था।

रुपए की विनिमय दर में गिरावट के बारे में सीतारमण ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा, हम इस पर नजर रख रहे हैं। घरेलू मुद्रा में गिरावट केवल डॉलर के संदर्भ में है। यह केवल रुपए का मामला नहीं है और दूसरे देशों की मुद्राएं भी प्रभावित हैं।

निर्यातकों पर अमेरिकी शुल्क के असर और उनके लिए सहायता उपायों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, सरकार में इस पर काम जारी है। संबंधित मंत्रालय और विभाग इस पर काम कर रहे हैं। जो निर्यातक 50 प्रतिशत शुल्क से प्रभावित हुए हैं, उनकी सहायता के लिए के लिए काम जारी है। उन्होंने कहा, 50 प्रतिशत शुल्क 27 अगस्त से प्रभाव में आया है। अभी उद्योग ने भी नहीं बताया है कि शुल्क का कितना प्रभाव होगा...। प्रत्येक संबंधित मंत्रालय और विभाग उनसे पूछ रहे हैं कि क्या प्रभाव होगा। उसके आधार पर हम गौर करेंगे।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है। इससे कुल मिलाकर शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। इससे झींगा, रत्न एवं आभूषण, कपड़ा समेत अन्य क्षेत्रों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है।

चीन के साथ बढ़ते संबंधों के बारे में सीतारमण ने कहा, चीनी बाजार तक पहुंच के लिए भारत लगातार प्रयास कर रहा है, बातचीत हो रही है। हम पहले से इस पर काम कर रहे हैं। इसे आगे बढ़ाने की जरूरत है। यह पूरी तरह से व्यापार वार्ता है। इसका प्रेस नोट तीन से कोई लेना-देना नहीं है।

प्रेस नोट तीन के तहत भारत ने अप्रैल, 2020 में अपनी एफडीआई नीति में संशोधन किया और चीन सहित भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से निवेश के लिए सरकारी मंजूरी अनिवार्य कर दिया, ताकि भारतीय कंपनियों के जबरिया अधिग्रहण से बचा जा सके।

'नमो युवा रन' के जरिए देंगे नशामुक्त भारत निर्माण का संदेश : तेजस्वी सूर्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले सेवा पखवाड़ा के तहत भाजयुमो 'नमो युवा रन': नशामुक्त भारत के लिए – के संबंध में भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। तेजस्वी सूर्या ने कहा कि यह रन 21 सितंबर को आयोजित की जाएगी, जिसमें एक साथ 100 स्पर्धाएं होंगी। हर एक में कम से कम 10,000 प्रतिभागी भाग लेंगे। फिटनेस आइकन मिलिंद सोमन राष्ट्रीय स्तर पर रन के एंबेसडर होंगे, जो अपनी फिटनेस और एथलेटिक क्षमताओं से देशभर के युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं।

तेजस्वी सूर्या ने कहा कि इस रन में 10 लाख से ज्यादा युवा शामिल होंगे और भारत के सबसे बड़े युवा-संचालित फिटनेस और जागरूकता अभियान के पीछे प्रेरक शक्ति के रूप में भाजयुमो की भूमिका को सुदृढ़ करेंगे। तेजस्वी सूर्या ने कहा कि इस बात पर चर्चा की गई कि किस प्रकार हमारे राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं की भावना पर निर्भर करता है और किस प्रकार यह आंदोलन उन्हें भाजयुमो के मिशन के अनुरूप एक स्वस्थ और मजबूत भारत के निर्माण के लिए सशक्त बनाएगा।

तेजस्वी सूर्या ने कहा कि यह कार्यक्रम सुबह 7 बजे शुरू होगा। उन्होंने बताया कि युवा मोर्चा के सदस्यों ने मिलिंद सोमन के साथ पुश-अप चैलेंज में भाग लिया। हमारी पार्टी के सभी कार्यकर्ता बेहद फिट हैं। यह युवा भारत के लिए एक संदेश है कि वे फिट रहें, अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें और सबसे महत्त्वपूर्ण बात- नशे से दूर रहें। उन्होंने इस आयोजन को समर्थन देने के लिए केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और फिटनेस आइकन मिलिंद सोमन को धन्यवाद।

वहीं, मिलिंद सोमन ने कहा कि 'नमो युवा रन' अभियान से उन्हें बहुत खुशी हुई है। यह हमारे प्रधानमंत्री को उनके जन्मदिन, जो 17 सितंबर को है, पर एक उपहार है। इसका उद्देश्य 21 सितंबर को 10 लाख भारतीयों को दौड़ में शामिल कराना है। यह अभूतपूर्व है। इसकी थीम बहुत अच्छी है, जो 'नशामुक्त भारत' का संदेश देती है।

अमेरिकी शुल्क मुद्दा : प्रधानमंत्री मोदी 'देश के दुश्मन' बन गए हैं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी (कर्नाटक)/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अमेरिकी शुल्क (टैरिफ) मुद्दे का जिक्र करते हुए रविवार को दावा किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दोस्त हो सकते हैं, लेकिन मोदी ''देश के दुश्मन'' बन गए हैं।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मोदी और ट्रंप एक-दूसरे के लिए अच्छे हो सकते हैं, क्योंकि वे एक-दूसरे के लिए वोट मांगते हैं।

खरगे ने दावा किया कि मोदी-डोनाल्ड ट्रंप गठबंधन भारत की कीमत पर हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया, वह (ट्रंप) और मोदी दोस्त हो सकते हैं, लेकिन मोदी देश के दुश्मन बन गए हैं। उन्होंने माहौल खराब कर दिया है।

अमेरिकी शुल्क के भारत पर पड़ने वाले प्रभाव पर टिप्पणी करते हुए खरगे ने आरोप लगाया, ट्रंप ने बहुत बड़ा शुल्क लगाया। पचास प्रतिशत शुल्क के बाद, उन्होंने हमारे लोगों को बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा, आप अपनी विचारधारा पर चलें और देश के लोगों की रक्षा करें, क्योंकि राष्ट्र पहले आता है और आपकी मित्रता बाद में आती है।

खरगे ने प्रधानमंत्री से यह भी कहा कि वह इस बात को समझें कि भारत ने दशकों तक तटस्थता और गुटनिरपेक्षता की विदेश नीति अपनाई है तथा उसे इसी रास्ते पर आगे बढ़ना चाहिए।

संशोधित माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों पर खरगे ने कहा कि कांग्रेस गरीबों को लाभ पहुंचाने वाले किसी भी कदम का स्वागत करेगी, लेकिन उन्होंने भाजपा सरकार पर वर्षों से लोगों को परेशान करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया, हमने आठ साल पहले यह मुद्दा उठाया था। हमने कहा था कि अगर दो स्लैब होंगे, तो इससे गरीब लोगों को फायदा होगा, लेकिन उन्होंने चार से पांच स्लैब पेश किए और लोगों को लूटा। चुनाव नजदीक आने के बाद, उन्हें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ा और उन्होंने जीएसटी स्लैब में संशोधन किया।

खरगे ने मोदी के पहले के दावे का भी उल्लेख किया कि चीन की ओर से ''किसी ने भी भारतीय क्षेत्र में प्रवेश नहीं किया'' और कहा कि ''अब मोदी स्वयं चीन में प्रवेश कर गए हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि विपक्ष राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर एकजुट है, लेकिन वह मोदी को समर्थन का दुरुपयोग नहीं करने देगा। उन्होंने कहा, देश के मामले में हम एक हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि क्योंकि हम आपका समर्थन कर रहे हैं, इसलिए आपको मनमाने ढंग से काम करना चाहिए। हम इसमें विश्वास नहीं करते।

खरगे ने मोदी पर ट्रंप के साथ खुलेआम गठजोड़ करके भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया।

हूती विद्रोहियों के ड्रोन ने इजराइली हवाई अड्डे को बनाया निशाना

तेल अवीव/एपी। यमन से हूती विद्रोहियों द्वारा दागे गए एक ड्रोन ने इजराइल के दक्षिणी शहर में हवाई अड्डे को निशाना बनाया। इस वजह से कुछ समय के लिए हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया गया और उड़ानें रोक दी गईं।

इजराइली सेना ने रविवार को यह जानकारी दी। हूती विद्रोहियों ने कई ड्रोन दागे, जिनमें से अधिकतर को इजराइल के बाहर ही नष्ट कर दिया गया। इजराइली हवाई अड्डा प्राधिकरण ने बताया कि एक ड्रोन दक्षिणी शहर इलैट के पास स्थित रमन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास गिरा जिससे यात्री टर्मिनल की कांच की खिड़कियां टूट गईं और धुएं का गुबार उठा। हूती विद्रोहियों ने हमले की जिम्मेदारी ली है। इजराइल की बचाव सेवा मैगेन डेविड एडोम के अनुसार, ड्रोन हमले में 65 वर्षीय एक व्यक्ति ड्रोन के टुकड़ों से मामूली रूप से घायल हो गया। हवाई अड्डे को मामूली नुकसान हुआ और कुछ ही घंटों में इसे फिर से खोल दिया गया और उड़ानें फिर से शुरू हो गईं। रविवार को हुआ यह हमला, यमन की राजधानी सना पर इजराइल के हमले के कुछ दिनों बाद हुआ है। इस हमले में हूती सरकार के प्रधानमंत्री और उसके कई मंत्री मारे गए थे।

देश में लोगों ने पूर्ण चंद्रग्रहण का किया दीदार, बादल बने किरकिरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली/भाषा। लद्दाख से लेकर तमिलनाडु तक लोगों की निगाहें रविवार को दुर्लभ पूर्ण चंद्र ग्रहण देखने के लिए आसमान की ओर टिकी रहीं।

रात 9:57 बजे पृथ्वी की छाया ने चंद्रमा को ढकना शुरू कर दिया था। हालांकि देश के कुछ हिस्सों में मानसूनी बारिश के बीच चंद्रमा बादलों से घिरे आसमान में लुका-छिपी खेलता नजर आया। रात 11:01 बजे पृथ्वी की छाया ने चंद्रमा को पूरी तरह से ढक लिया, जिससे चंद्रमा का रंग तांबे जैसा लाल हो गया और पूर्ण चंद्रग्रहण का दुर्लभ नजारा देखने को मिला।

भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान के विज्ञान, संचार, जन संपर्क एवं शिक्षा (स्कोप) अनुभाग के प्रमुख नीरुज मोहन रामानुजम ने कहा, चंद्रमा पर पूर्ण ग्रहण रात्रि 11.01 बजे से रात्रि 12.23 बजे के बीच 82 मिनट तक रहेगा।

जवाहरलाल नेहरू तारामंडल के पूर्व निदेशक बी.एस. शैलजा ने बताया कि चंद्रग्रहण के दौरान चंद्रमा लाल दिखाई देता है, क्योंकि उस तक पहुंचने वाला सूर्य का प्रकाश पृथ्वी के वायुमंडल से परावर्तित होकर फैल जाता है।

भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान ने बेंगलुरु, लद्दाख और तमिलनाडु में स्थित अपने परिसरों में लगीं दूरबीनों को चंद्रमा की ओर मोड़ दिया तथा पूर्ण चंद्रग्रहण की प्रक्रिया को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सीधे प्रसारित किया।

देश के कई भागों में बादलों से पटे आसमान ने खेल बिगाड़ दिया, लेकिन दुनिया भर में खगोल विज्ञान के प्रति उत्साही लोगों की ओर से आयोजित लाइव स्ट्रीम ने लोगों की निराशा को दूर कर दिया।

पूर्ण चंद्रग्रहण पूरे एशिया, यूरोप, अफ्रीका और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के कुछ हिस्सों में दिखाई दिया।

रविवार का ग्रहण 2022 के बाद से भारत में दिखाई देने वाला सबसे लंबा पूर्ण चंद्रग्रहण था। यह 27 जुलाई, 2018 के बाद से देश के सभी हिस्सों से देखा जाने वाला पहला चंद्रग्रहण था।

अगला पूर्ण चंद्रग्रहण देश में 31 दिसंबर 2028 को दिखाई देगा। ग्रहण दुर्लभ होते हैं और हर पूर्णिमा या अमावस्या को नहीं होते, क्योंकि चंद्रमा की कक्षा सूर्य के चारों ओर पृथ्वी की कक्षा से लगभग पांच डिग्री झुकी हुई है।

स्मृति सभा / उठावणा

स्वर्गवास 06.09.2025

श्रीमती शिवप्यारी पंचारिया

धर्मपत्नी : स्व. श्री रामबिलासजी पंचारिया
पूर्व अध्यक्ष गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज कर्नाटक

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूजनीय माताजी श्रीमती शिवप्यारी पंचारिया का स्वर्गवास शनिवार, 6.9.2025 को हो गया है। विधि के विधान के आगे हम सभी नतमस्तक हैं।

स्मृति सभा व उठावणा : सोमवार, दि. 08.09.2025, सुबह 10 बजे निवास पर

Resi. Address : MURLIDHAR PANCHARIYA
141, 4TH MAIN, SBM COLONY,
ANAND NAGAR, BANGALORE- 24
https://maps.app.goo.gl/4zxJ8Uj7263QTagq7?g_st=iw

शोकाकुल : सुपुत्र : मुरलीधर, जगदीश, दिनेश, बालू, शांतिलाल, श्रीरंग, चंद्रप्रकाश, सुपौत्र : रघुवीर, सचिन, अमित, अक्षय, आकाश, खुशल, पड़पौत्र : कैरव, आदित, देव एवं समस्त पंचारिया परिवार, गुलेदगुड़ – बेंगलूरु –पाटवा – सूरत
मो.न. 98801 10000, 94481 33000, 93412 72755

रूस ने यूक्रेन को 800 ड्रोन से निशाना बनाया, युद्ध शुरू होने के बाद से सबसे बड़ा हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर शनिवार को बड़ी संख्या में ड्रोन और मिसाइल दागीं, जिससे कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। यूक्रेनी अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इसे फरवरी 2022 में दोनों देशों के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन पर रूस का सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है।

रविवार को हुए इस हमले के बाद एक प्रमुख सरकारी इमारत की छत से धुआं उठता दिखाई दिया। अधिकारियों ने बताया कि रूस ने यूक्रेन पर 805 ड्रोन से हमला किया।

यूक्रेन की वायु सेना के प्रवक्ता यूरी इहनाट ने पुष्टि की कि रविवार का हमला यूक्रेन पर पूर्ण आक्रमण शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा रूसी ड्रोन हमला था। रूस ने विभिन्न प्रकार की 13 मिसाइल भी दागीं। वायु सेना के एक बयान के अनुसार, यूक्रेन ने 747 रूसी ड्रोन और चार मिसाइलों को मार गिराया या निष्क्रिय कर दिया।

यूक्रेन में 37 जगहों पर नौ मिसाइल हमले और 56 ड्रोन हमले हुए। मार गिराए गए ड्रोन और मिसाइलों का मलबा आठ जगहों पर गिरा। 'एसोसिएटेड प्रेस' के पत्रकारों ने एक सरकारी इमारत की छत से धुएं का गुबार उठता देखा, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो सका कि यह धुआं हमले के कारण उठा या अन्य कोई कारण है। माना जा रहा है कि अगर धुआं किसी हमले के कारण उठा, तो रूस ने हवाई हमले तेज किए हैं। रूस अब तक शहर के केंद्र में सरकारी इमारतों को निशाना बनाने से बचता रहा है।

यह इमारत यूक्रेन के मंत्रिमंडल का मुख्यालय है, जहां उसके मंत्रियों के कार्यालय स्थित हैं। दमकल गाड़ियों और एम्बुलेंस के पहुंचने पर पुलिस ने इमारत में प्रवेश रोक दिया।

यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि हमले में दो लोग मारे गए और 15 घायल हुए। यूक्रेन की प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने कहा, पहली बार दुश्मन के हमले में सरकारी इमारत को नुकसान पहुंचा है। हम इमारतों का जीर्णोद्धार करेंगे, लेकिन जो जानें चली गईं, उन्हें वापस नहीं लाया जा सकता।

कीव के मेयर विटालि क्लित्स्को के मुताबिक, रूसी ड्रोन का मलबा स्वियातोशिन्स्की में नौ मंजिला आवासीय इमारत और डार्नित्स्की में चार मंजिला आवासीय इमारत पर गिरा।

यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब यूरोपीय नेताओं ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर युद्ध समाप्त करने की दिशा में कदम उठाने का दबाव बढ़ा दिया है। इससे पहले, यूक्रेन के 26 सहयोगी देशों ने युद्ध समाप्त होने के बाद वहां 'आश्वासन बल' के रूप में सेना तैनात करने का वादा किया था।

खिवान्दी संघ का वार्षिक क्षमापना एवं मिलन समारोह सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के खिवान्दी जैन संघ द्वारा रविवार को वार्षिक क्षमापना एवं स्नेह मिलन कार्यक्रम एक रिसोर्ट में आयोजित हुआ जिसमें 170 परिवारों ने भाग लिया। इस आयोजन में बच्चों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता, महिलाओं के लिए अनेक मनोरंजक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर पर्युषण पर्व के दौरान तपस्या करने वाले सभी तपस्वियों का सम्मान किया गया। बैठक में आगामी कार्यक्रमों के बारे में विचार विमर्श हुआ तथा उपस्थित सभी जनों ने आपस में क्षमायाचना की।

संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संत दर्शन : मैसूरु के राजस्थानी समाज के सदस्यों ने ईट्टीगेगुड स्थित राजस्थान विष्णु सेवा ट्रस्ट भवन में विराजित जोधपुर के पालरोड़ साधना कुटीर के महंत विरमनाथ, साध्वी प्रेम बाईसा व बाड़मेर जिला के गांव लीलसर स्थित जसनाथ आश्रम के महंत मोटनाथ का स्वागत कर सम्मान किया। जीतो मैसूरु चैप्टर के पूर्व चेयरमैन कांतिलाल चौहान ने जैन समाज के सभी मंदिरों व सिद्धलिंगपुरा स्थित भगवान महावीर डायलेसिस सेंटर में संचालित सेवाओं की जानकारी दी। जीतो मैसूरु चैप्टर के मुख्य सचिव गौतम सालेचा ने जीतो के कार्यों की जानकारी दी। इस मौके पर जीतो मैसूरु चैप्टर के पूर्व चेयरमैन कांतिलाल चौहान, मुख्यसचिव गौतम सालेचा, आदिनाथ जैन संघ के अध्यक्ष रमेश कुमार श्रीश्रीमाल, समाजसेवी कांतिलाल पटवारी, वसंत राठौड़, मैसूरु जिला करणी सेना अध्यक्ष कृपालसिंह महेचा, रमेश कुमार माली आदि उपस्थित थे।

गोरधनलाल बने आईमाता सेवा संघ के अध्यक्ष, तेजाराम बने सचिव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के केआर पुरम सीरवी आईमाता सेवा संघ ट्रस्ट की साधारण सभा रविवार को समाज भवन आयोजित हुई जिसमें मुख्य चुनाव अधिकारी के रूप में मोहनलाल गहलोत का चयन हुआ। सर्वसहमति से अध्यक्ष पद पर गोरधनलाल बर्फा, सचिव तेजाराम काग, उपाध्यक्ष प्रभुराम परिहारिया, सहसचिव प्रमोद सोलंकी, कोषाध्यक्ष पारसमल चोयल, सहकोषाध्यक्ष वेनाराम सोंलकी को चुना गया। कार्यकारिणी सदस्य में भुण्डाराम गहलोत, बाबुलाल सोलंकी, दिनेश आगलेचा, रमेश राठौड़, सोहनलाल गहलोत को चुना गया। इसके अलावा महिला मंडल, नवयुवक मंडल, गैर मंडल, व्यवस्थापक, सलाहकार पदाधिकारियों का भी चयन किया गया। नई कार्यकारिणी समिति का सम्मान किया गया। मंच का संचालन निवर्तमान सचिव मोहनलाल मुलेवा ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के राजपूत समाज कर्नाटक द्वारा बेंगलूरु तुलसी तोटा स्थित खेतेश्वर भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित करते हुए समाज के पदाधिकारी गण।

भारी बारिश के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग खुलने में बाधा, वैष्णो देवी यात्रा स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। भूस्खलन प्रभावित जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी बारिश के कारण यातायात बहाल करने के भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रयासों में फिर बाधा उत्पन्न हुई और यह रविवार को लगातार छठे दिन भी बंद रहा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा भी लगातार 13वें दिन स्थगित रही, जबकि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने कठुआ जिले में बसोहली-बानी मार्ग पर क्षतिग्रस्त हिस्से के कारण उपमार्ग के माध्यम से यातायात बहाल कर दिया। यातायात विभाग के एक अधिकारी ने कहा, जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग अभी भी वाहनों की आवाजाही के लिए बंद है। मरम्मत का काम चल रहा है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि मरम्मत का काम पूरा होने तक इस मुख्य मार्ग से यात्रा न करें। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के रामबन सेक्टर के परियोजना प्रबंधक शुभम ने बताया कि भारी बारिश के कारण आज सुबह उधमपुर जिले के थार्ड में पहाड़ी के नीचे दबे 250 मीटर लंबे मार्ग को साफ करने के प्रयासों में बाधा उत्पन्न हुई। उन्होंने कहा, राजमार्ग की जल्द बहाली सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत विशाल चट्टानों को ध्वस्त करने के लिए विस्फोटकों का इस्तेमाल किया गया। बारिश के बावजूद हमारे कर्मी और मशीनें काम कर रही हैं, लेकिन काम धीमी गति से चल रहा है। यह राजमार्ग कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली एकमात्र बारहमासी सड़क है और इस पर यातायात दो सितंबर को बंद कर दिया गया था। इसे लगभग एक सप्ताह से फंसे वाहनों को निकालने के लिए आंशिक यातायात बहाल करने के केवल दो दिन बाद बंद किया गया था। अधिकारी ने बताया कि थार्ड में चार लेन वाले राजमार्ग खंड को छोड़कर राजमार्ग के बाकी हिस्से को दो-तरफा यातायात के लिए खोल दिया गया है। राजमार्ग के लगभग एक पखवाड़े तक बंद रहने से दोनों ओर सैकड़ों वाहन फंस गए, जिनमें से अधिकांश ट्रक बागवानी उत्पाद और आवश्यक वस्तुएं ले जा रहे थे।

मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान जताया है। सात और आठ सितंबर को देर रात या सुबह के समय जम्मू संभाग के कुछ जिलों में मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना जतायी गई है। अधिकारियों ने बताया कि रियासी ज़िले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा स्थगित है।

हिमाचल में बादल फटने, बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं से लगभग 4,000 करोड़ रु. का नुकसान

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से सात सितंबर तक भारी बारिश के कारण बादल फटने, अचानक बाढ़ आने और भूस्खलन की घटनाओं से लगभग 4,079 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। हिमाचल प्रदेश में इस बार मानसून में बारिश से जुड़ी घटनाओं और सड़क हादसों में अब तक 366 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, इन 366 लोगों में से 203 की मौत बारिश से जुड़ी घटनाओं में हुई, जिनमें 42 मौतें भूस्खलन, 17 बादल फटने और नौ अचानक आई बाढ़ में हुईं। एसईओसी के मुताबिक, 41 लोग अभी भी लापता हैं और 163 मौतें दुर्घटनाओं में हुईं। उसने बताया कि कुल 6,025 घर और 455 दुकानें/कारखाने पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

'मातृछाया' ने पर्युषण पर्व पर दान, सेवा और करुणा के अनेक कार्य किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय महिला संगठन 'मातृछाया' ने पर्युषण महापर्व के उपलक्ष्य में संगठन ने अपने मूल उद्देश्यों जीवदया, देवद्रव्य, साधर्मिक भक्ति, परमार्थ सेवा एवं सामाजिक कल्याण को साकार करते हुए विविध सेवाकार्यों का आयोजन किया। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने सभी का स्वागत किया। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा कि दान केवल वस्तु का नहीं होता, यह तो हृदय की करुणा का प्रकटीकरण है। इसके अंतर्गत संगठन ने प्रातःकाल जीवदया भक्ति तथा विभिन्न जिनालयों में पूजन सामग्री अर्पित की। दानदाताओं के सहयोग से संगठन ने येडियूर गौशाला, कामधेनु गौशाला ट्रस्ट चिकमगलूर, ऋषभ कामधेनु गौशाला को गौवंशों के लिए घास भेजा गया। भगवान महावीर गौतीर्थ गौशाला को दैनिक उपयोगी सामग्री प्रदान की। जरूरतमंद साधर्मिक परिवारों को राशन एवं नकद राशि वितरित की गई। कर्नाटक वेलफेयर एसोसिएशन फॉर दि ब्लाइंड में बच्चों को जैकेट एवं खाद्य सामग्री दी गई। आहोर स्थित मंदबुद्धि बच्चों के आश्रम में बच्चों के लिए पूरे दिन का भोजन एवं जिनमंदिर दर्शन की व्यवस्था की गई।

सचिव रेशमा बड़ोला ने बताया कि मातृश्री मनोविकास केंद्र में दिव्यांग बच्चों हेतु आवश्यक सामग्री दी गई। महावीर स्वामी जीवदया ग्रुप राजमंद्री एवं महावीर जैन पशु सेवा केंद्र नेल्लोर को दुर्घटनाग्रस्त पशुओं की चिकित्सा हेतु सहयोग राशि दी गई। उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने बताया कि मुंबई में दृष्टिबाधित एवं कैंसर पीड़ित अस्पताल को सहयोग राशि दी गई। महानगर पालिका के कर्मचारियों को अनाज के किट वितरित किए गए। सेवा कार्य में मंडल की अधिकरतर सदस्याओं का किसी न किसी सेवा कार्य में सहयोग रहा।

तेरापंथ भवन गांधीनगर में तेयुप ने आयोजित किया धम्म जागरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु द्वारा आयोजित तेरापंथ के आद्यप्रवर्तक आचार्यश्री भिक्षु के 223वें चरमोत्सव के उपलक्ष्य में तेरापंथ भवन, गांधीनगर में धम्म जागरण का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुनिश्री आदित्य कुमार जी द्वारा एक गीतिका का संगान किया गया तथा प्रज्ञा संगीत सुधा ने अपने आद्य प्रवर्तक गुरु भिक्षु स्वामी के प्रति भावांजलि अर्पित करते हुए भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुतिया अर्पित की। इस विशेष अवसर पर 'अभ्यर्थना एक क्रांति की 2.0' अंतर्गत सभी भिक्षु भक्तों ने उपवास व एकासन जैसे तप आराधनाएँ कीं। साथ ही 24 घंटे अखंड ॐ भिक्षु-जय भिक्षु जाप का आयोजन हुआ। इस आयोजन में जप संयोजक प्रकाश सालेचा, तपोयज्ञ संयोजक मोहित सुराणा एवं प्रज्ञा संगीत सुधा संयोजक आदित्य सेठिया का योगदान रहा। तेयुप की ओर से तेरापंथ सभा, महिला मंडल एवं सभी सहयोगी संस्थाओं को धन्यवाद दिया।

भारत, इजराइल इस सप्ताह कर सकते हैं द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर

जेरूशलम/भाषा। भारत और इजराइल एक द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार इजराइल के वित्त मंत्री बेजेलेल स्मोट्रिच की इस सप्ताह होने वाली भारत यात्रा के दौरान यह समझौता हो सकता है। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की नींव रखी जाएगी। स्मोट्रिच इस सप्ताह 8-10 सितंबर के बीच तीन दिवसीय भारत यात्रा पर आएंगे। इस दौरान वह भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा, इजराइली वित्त मंत्री मुंबई और गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी का भी दौरा करेंगे। सूत्रों ने पीटीआई-भाषा को बताया, इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय बैठकों के माध्यम से भारत के साथ इजराइल के आर्थिक और वित्तीय संबंधों को मजबूत करना और द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) सहित कुछ प्रमुख समझौतों के लिए साझा आधार तैयार करना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा सांसदों के लिए आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसदों के लिए आयोजित एक कार्यशाला में शामिल हुए, जिसमें सांसदों ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों की सराहना की।

यह कार्यशाला पार्टी के देशव्यापी जनसंपर्क अभियान से पहले आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य जीएसटी के फायदों के बारे में लोगों को जागरूक करना है। मोदी कई घंटों तक सांसदों के बीच ही रहे। कई सदस्यों ने कहा कि मोदी पार्टी के साधारण सदस्य की तरह आखिरी पंक्ति में बैठे। गोरखपुर के सांसद रवि किशन ने मोदी की एक तस्वीर साझा करते हुए कहा, यही भाजपा की ताकत है कि यहां सभी कार्यकर्ता हैं।

दो दिवसीय कार्यशाला के अलग-अलग सत्र में कई मुद्दों पर चर्चा की गई, जिनमें सांसदों का काम और सरकार की सफलताओं की मुख्य बातें शामिल हैं। आयोजन स्थल पर नवीनतम जीएसटी सुधारों और 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी अन्य उपलब्धियों के फायदों को दर्शाने वाले कई सामग्री प्रदर्शित की गईं। सांसदों को मंगलवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

'घुसपैठियों का मुद्दा उठाने के लिए हमें धमका रहे विपक्षी दलों के नेता'

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने रविवार को विपक्षी दलों के नेताओं पर भारत में रह रहे घुसपैठियों को बचाने के लिए अभियान चलाने का आरोप लगाया और कुछ नेताओं की टिप्पणियों का हवाला देते हुए दावा किया कि वे पश्चिम बंगाल और झारखंड जैसे राज्यों में इस मुद्दे को उठाने पर उसे धमकी दे रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि झारखंड के मंत्री और कांग्रेस नेता इरफान अंसारी ने घुसपैठियों के मुद्दे पर भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा है कि वह ''भाजपा की कब्र खोदेंगे। हालांकि, अंसारी ने इस बयान के बाद कहा था कि वह भाजपा द्वारा उन्हें और कई अन्य स्थानीय निवासियों को बांग्लादेशी घुसपैठियों के रूप में पेश किए जाने पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। पात्रा ने कहा कि भाजपा घुसपैठियों के खिलाफ है, क्योंकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। उन्होंने कहा कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी का हालिया अभियान मूलतः घुसपैठियों को बचाने की एक कवायद थी।

मायुम बेंगलूरु ने 'शिक्षा सबके लिए' के तहत बांटे 1300 स्कूली बैग

बेंगलूरु/कोलार/दक्षिण भारत। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु के सदस्यों ने अपने सतत अभियान 'शिक्षा सबके लिए' को आगे बढ़ाते हुए इसी क्रम में संगठन ने दूसरे चरण में शनिवार को कोलार में मेगा बैग वितरण शिविर एवं साइबर सेफ़्टी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्रिएशन ग्रुप के विजय गोयल के सहयोग से कार्यक्रम की शुरुआत बैग वितरण शिविर से हुई जिसमें 1300 स्कूल बैग ज़रूरतमंद बच्चों तक पहुँचाए गए।

इस वित्तीय वर्ष में वितरित बैगों की कुल संख्या 5800 तक पहुँच गई। बैग वितरण के बाद साइबर सेफ़्टी सत्र में 7वीं से 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों को मोबाइल एवं इंटरनेट से जुड़े खतरों, साइबर क्राइम से बचाव के उपाय तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार की जानकारी दी गई। इस मौके पर संयोजक अंकित मोदी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

भारत को छोटी इलेक्ट्रिक कारों के लिए संभावित बाजार मान रही है फॉक्सवैगन: सीईओ

म्यूनिख/भाषा। जर्मनी की वाहन कंपनी फॉक्सवैगन भारत को अपनी किफायती छोटी इलेक्ट्रिक कारों के लिए एक संभावित बाजार के रूप में देख रही है और भागीदारों के साथ मिलकर उन्हें बाजार में सर्वोत्तम तरीके से पेश करने पर काम कर रही है। फॉक्सवैगन के मुख्य कार्यपालक (सीईओ) ओलिवर ब्लूम ने यह जानकारी दी। ब्लूम ने आईएए मोबिलिटी के दौरान कहा कि समूह ने इस आयोजन में

पहली बार सम्पूर्ण इलेक्ट्रिक छोटी कार श्रृंखला पेश की। समूह का मानना है कि भारत में वाहनों पर जीएसटी में कटौती से भारतीय वाहन बाजार और अधिक आकर्षक हो गया है। भारत को लेकर ब्लूम ने कहा, भारत एक शानदार बाज़ार है। हम यहां बहुत संभावनाएं देखते हैं। हम अपने साझेदारों के साथ मिलकर यह तय कर रहे हैं कि हम यहां क्या कर सकते हैं और एक छोटी कार भी ला सकते हैं।

...जब प्रधानमंत्री ने सीतारमण को फोन कर कहा, आप एक बार जीएसटी को देखो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जीएसटी में व्यापक सुधार रातों-रात नहीं हुआ बल्कि इसकी शुरुआत माल एवं सेवा कर परिषद की पिछले साल दिसंबर में जैसलमेर में हुई बैठक से पहले ही हो गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को फोन कर जीएसटी को व्यवसायों के लिए सुविधाजनक बनाने और दरों को युक्तिसंगत बनाने को कहा था, जिसके बाद इस पर काम तेजी से आगे बढ़ा। यह बात स्वयं सीतारमण ने बतायी है।

इसके परिणामस्वरूप बेहद सरल जीएसटी प्रणाली का रास्ता साफ हुआ जिसमें कर की दरें कम हैं। इससे एक तरफ जहां कंपनियों के लिए अनुपालन का बोझ कम हुआ है वहीं रोजमर्रा के इस्तेमाल के समेत लगभग 400 वस्तुओं पर कर दरें कम हुई हैं। सीतारमण ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, वास्तव में जीएसटी में व्यापक सुधारों का काम पहले ही शुरू हो चुका था। राजस्थान के जैसलमेर में हुई पिछली जीएसटी परिषद की बैठक से पहले ही, प्रधानमंत्री ने मुझे फोन करके कहा था,'एक बार आप जीएसटी को देख लो, व्यवसायों के लिए सुविधाजनक बनाओ और दरों पर इतने सारे भ्रम की स्थिति क्यों है? मुझे लगता है कि नौ महीने पहले हुई जैसलमेर

बैठक से पहले की बात है। उन्होंने कहा, फिर, बजट के दौरान, जब हम आयकर उपायों पर चर्चा कर रहे थे, तो उन्होंने मुझे (प्रधानमंत्री) याद दिलाया कि 'आप जीएसटी के ऊपर काम कर रही हैं न। यह एक चीज थी। सीतारमण ने कहा, दूसरा, मंत्री समूह (जीओएम) डेढ़ साल से काम कर रहे थे और मैं उनमें से प्रत्येक की सराहना करती हूं कि उन्होंने रिपोर्ट तैयार करने के लिए बहुत मेहनत की और उनके सुझाव सामने आए। उन्होंने कहा, लेकिन प्रधानमंत्री की बात सुनने के बाद मैंने यह निर्णय लिया कि अब समय आ गया है कि हम जीएसटी के सभी पहलुओं की गहन समीक्षा करें, न केवल दरों की, न केवल स्लैब की संख्या की, बल्कि इस दृष्टिकोण से भी देखें कि एक व्यवसाय, लघु या मझोले व्यवसाय के लिए यह कितना और बेहतर होगा'' वित्त मंत्री ने कहा, हमने इन सब बातों पर गौर किया। वस्तुओं के वर्गीकरण को देखा जिससे काफी भ्रम पैदा हो रहा था... फिर, स्वभाविक रूप से दर पर भी गौर किया। एक फरवरी, 2025 से लेकर लगभग 15 मई तक हम इसकी अध्ययन समीक्षा आदि का काम करते रहे। मई के मध्य में... मैं प्रधानमंत्री के पास गई, उन्हें जानकारी दी और बताया कि हम कदम उठाने के करीब हैं। यह एक प्रस्ताव का रूप ले सकता है और उनसे समय देने का अनुरोध किया...। उसके बाद उन्होंने कहा कि आप देखिये इसे कैसे जीएसटी परिषद में ले जा सकती हैं।

वर्षगांठ

रविवार को बेंगलूरु के शिवाजीनगर में सेंट मैरी बेसिलिका चर्च की वर्षगांठ 2025 के तहत ध्वजारोहण कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भाग लिया। बेंगलूरु के आर्कबिशप पीटर मचाडो, कारवार बिशप एम. रेव. डुमिंग डायस और अन्य भी उपस्थित थे।

अरब सागर में तीन लोग डूबे

उडुप्पी। कर्नाटक में कुंदापुर के निकट गोपाडी बीच पर रविवार को तीन लोग अरब सागर में डूब गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बेंगलूरु से 10 युवाओं का एक समूह समुद्र तट पर आया था, जिसमें से तीन लोगों के साथ ये हादसा हो गया। पुलिस के मुताबिक, समूह में से सात लोग पानी में चले गए और चार तेज धारा में बह गए।

पुलिस ने बताया कि चार में से एक को बचा लिया गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि एक लापता युवक की तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है।

भाजपा ने 'एक देश, एक चुनाव' के प्रस्ताव का पुरजोर समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने रविवार को एक देश, एक चुनाव के प्रस्ताव का पुरजोर बचाव किया और ईवीएम तथा निर्वाचन आयोग के बारे में कांग्रेस के विचारों की आलोचना की। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि एक देश, एक चुनाव के विचार को देश भर में भारी समर्थन मिला है। उन्होंने कहा, बी आर आंबेडकर ने हमारे देश को संविधान दिया और अगर कोई नेता यह सुनिश्चित कर रहा है कि संविधान का सही ढंग से पालन हो, तो वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं। उन्होंने कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे पर देश भर में यात्रा करने के बाद उन्होंने पाया कि देश और यहां तक कि कर्नाटक के लोग भी बदलाव और विकास चाहते हैं।

भाटिया ने 'एक देश, एक चुनाव' पर एक बैठक में भाग लेने से पहले पत्रकारों से कहा, इसलिए यह एक ऐसा विचार है, जिसको अमल में लाने का समय अब आ गया है। 'एक देश, एक चुनाव' को कोई नहीं रोक सकता।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि मोदी पहले ही बड़े संवैधानिक बदलाव कर चुके हैं। कांग्रेस द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाए जाने पर भाटिया ने कहा, भाजपा एक अच्छे छात्र की तरह है, जो परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करता है और परीक्षा पास करने के बाद देश व राज्य की जनता का आभार व्यक्त करता है, जबकि कांग्रेस उस छात्र की तरह है जो पढ़ाई नहीं करता, कक्षाएं नहीं लेता और असफल होने पर ईवीएम को दोष देता है। उन्होंने आरोप लगाया, यह भ्रष्ट कांग्रेस पार्टी की ओछी राजनीति और निरंतर निराशावाद को दर्शाता है। उन्होंने राहुल गांधी को भारतीय राजनीति का सबसे बड़ा हाइड्रोजन बम करार देते हुए कहा, समस्या यह है कि वह फट जाते हैं, और जब वह फटते हैं, तो कांग्रेस पार्टी फट जाती है।

इस समय एक राष्ट्र, एक चुनाव ज़रूरी है। इससे राज्य और देश को फ़ायदा होगा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने भी विश्लेषण किया है।

वे आज मल्लेश्वरम स्थित हव्यक भवन में आयोजित एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर छात्र नेताओं की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि इससे प्रशासनिक सुधार के साथ-साथ हज़ारों करोड़ रुपये की बचत होगी। बुरे विचार लोगों तक बहुत जल्दी पहुँच जाते हैं। अच्छे विचारों को लोगों तक पहुँचने में थोड़ा समय लगता है। इसलिए, हमें अपने ज़िलों और विधानसभा क्षेत्रों में इस अच्छे विचार के बारे में जागरूकता फैलानी चाहिए।

विभिन्न क्षेत्रों के समाज के अभिजात वर्ग के बीच चर्चाएँ होनी चाहिए। उन्होंने कॉलेज के छात्रों के बीच भी चर्चाएँ आयोजित करने की अपील की।

नरेंद्र मोदीजी के साहसिक नेतृत्व में भारत बहुत तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत कुछ ही वर्षों में अमेरिका को पीछे छोड़ देगा और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभरेगा। अगर अमेरिका इसे और भारत की प्रगति को बर्दाश्त नहीं करता है, तो इसे स्वीकार किया जा सकता है; हालांकि, इस देश की मिट्टी और अन्न का कर्ज लेने वाले राहुल गांधी ने आलोचना करते हुए कहा कि हमारे मुख्यमंत्री इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते, इसलिए यह इस देश की त्रासदी है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ. सीएन अश्वथनारायण ने बोलते हुए कहा कि हम एक राष्ट्र-एक चुनाव के सुधार के माध्यम से विविधता में एकता और एकजुटता का संदेश दे सकते हैं। उन्होंने अनुरोध किया कि इस पर अधिक ज़ोर दिया जाए, लोगों में जागरूकता पैदा की जाए। उन्होंने कहा कि इसे एक अभियान बनाने की ज़रूरत है।

इस अवसर पर एक राष्ट्र एक चुनाव के दक्षिण भारत प्रभारी अनिल के. एंटनी, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक धीरज मुनिराजू, एक राष्ट्र एक चुनाव के प्रदेश संयोजक एवं विधान परिषद सदस्य के.एस. नवीन, प्रदेश सह-संयोजक एवं प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वथनारायण, युवा मोर्चा के प्रदेश महासचिव डॉ. मल्लिकार्जुन बालेकाई, संगीतकार प्रवीण गोडखिंडी, पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर वेदा कृष्णमूर्ति सहित गणमान्य लोग उपस्थित

राज्यपाल ने विधान परिषद के लिए चार सदस्यों को नामित किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने विधान परिषद के लिए चार सदस्यों को नामित किया है। रविवार को जारी एक राजपत्र अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। चिक्कमगलूरु के शृंगेरी तालुक से एम. आरती कृष्णा, हुब्बल्ली से एफ एच जक्कप्पनवर और मैसूर से शिवकुमार को नामित किया गया हैं।

अधिसूचना में आगे कहा गया कि बेंगलूरु के रमेश बाबू को उनके पूर्ववर्ती के कार्यकाल की शेष अवधि, 21 जुलाई 2026 तक, के लिए नामित किया गया है।

बच्चों के दिमाग को कुंद नहीं किया जाना चाहिए : केवी प्रभाकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार के.वी. प्रभाकर ने कहा कि घर पहला स्कूल है, लेकिन आज मोबाइल पहला स्कूल है। प्रेस क्लब और बाल भवन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित बाल मेला सांस्कृतिक महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि शहरों में बच्चे मिट्टी से और ज़मीनी खेल-कूद की शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं।

वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या के कारण, बच्चे अपने दादा-दादी की कहानियों से वंचित हो रहे हैं। इसके अलावा, चिंता यह भी है कि अपने खिलौने स्वयं बनाने की रचनात्मकता भी गायब हो रही है, और प्लास्टिक के खिलौनों और बैटरी से चलने वाले खिलौनों की संगति में बच्चों का दिमाग विकसित होने के बजाय सुस्त होता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह तथ्य कि बच्चों को रागी रोटी की जगह बर्गर, मक्के की रोटी की जगह पिज़्ज़ा, नूडल्स की जगह पास्ता और डोनट्स खिलाए जा रहे हैं, यह भी एक बुरी सांस्कृतिक है और इस पर बहुत गहराई और गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। जवाहरलाल नेहरू ने इसे महसूस किया था। नेहरू ने बच्चों के नज़रिए से देश के विकास और प्रगति का एक खाका तैयार किया था। जवाहर बाल भवन इसी खाके का एक हिस्सा है।

वीडियो गेम जो हमें परिवार, समाज और दोस्तों से अलग करते हैं, हिंसक प्रवृत्ति, क्रोध, अधीरता और आक्रामकता को बढ़ावा देते हैं। भविष्य में ऐसी मानसिकता वाले बच्चे कैसे बन सकते हैं? यह हाई स्कूल स्तर पर पहले से ही हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमें इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि महामारी में वृद्धि का कारण क्या है।

'कर्नाटक मतदाता धोखाधड़ी' मामले में महत्वपूर्ण जानकारी छिपा रहा निर्वाचन आयोग : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी/नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने निर्वाचन आयोग पर रविवार को ''अहम जानकारी छिपाने'' का आरोप लगाया और दावा किया कि यह कथित 'वोट चोरी' के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है। खरगे ने 'एक्स' पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया था कि 2023 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले फॉर्म सात में जालसाजी कर मतदाताओं को हटाने के प्रयास से संबंधित मामला ठंडा पड़ गया है क्योंकि निर्वाचन आयोग ने अब तक आरोपियों को पकड़ने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण आंकड़े साझा नहीं किये हैं। निर्वाचन आयोग ने फिलहाल इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी लेकिन उसने अतीत में कांग्रेस के ऐसे सभी दावों को निराधार बताया था।

खरगे ने प्रश्न किया, ''क्या निर्वाचन आयोग (ईसीआई) अब भाजपा का 'वोट चोरी' का अड्डा बन गया है?'' उन्होंने कहा, इस घटनाक्रम को समझिए। मई 2023 के कर्नाटक चुनावों से पहले कांग्रेस ने अलंद निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने का खुलासा किया था। फॉर्म सात में जालसाजी कर एक बेहद जटिल प्रक्रिया के जरिए हजारों मतदाताओं के अधिकार छीन लिए गए।

खरगे ने कहा, ''फरवरी 2023 में एक मामला दर्ज किया गया। जांच में 5,994 जाली आवेदन सामने आए जो मतदाता धोखाधड़ी के बड़े पैमाने पर प्रयास का स्पष्ट प्रमाण था। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने दोषियों को पकड़ने के लिए सीआईडी जांच का आदेश दिया।''

खरगे ने कहा, ''लेकिन दिक्कत यहां है: जहां आयोग ने पहले जालसाजी का पता लगाने के लिए जरूरी दस्तावेजों का एक हिस्सा साझा किया था, वहीं अब उसने महत्वपूर्ण जानकारी छिपा ली है और वोट चोरी' के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है!'' उन्होंने पूछा कि निर्वाचन आयोग ने अचानक महत्वपूर्ण सबूतों को क्यों छिपाया? कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''आयोग किसे बचा रहा है? भाजपा के वोट चोरी' विभाग को? क्या आयोग भाजपा के दबाव में आ रहा है ताकि सीआईडी जांच को पटरी से उतारा जा सके?'' खरगे ने कहा कि व्यक्ति के वोट देने के अधिकार और भारतीय लोकतंत्र की रक्षा की जानी चाहिए।

प्रज्वल रेवन्ना जेल में लाइब्रेरी क्लर्क के पद पर काम करेंगे, प्रतिदिन 522 रुपये मिलेगा वेतन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के हासन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को परप्पना अग्रहारा जेल में लाइब्रेरी क्लर्क के रूप में काम आवंटित किया गया है। जेल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रेवन्ना बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। जेल अधिकारियों के अनुसार, वह इस पद पर काम करने के दौरान साथी कैदियों को किताबें देंगे और उधार ली गई किताबों का रिकॉर्ड रखेंगे।

जेल के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''रेवन्ना को निर्धारित कर्तव्यों को पूरा करने पर प्रत्येक दिन के काम के लिए 522 रुपये दिए जाएंगे। जेल के नियमों के अनुसार, आजीवन कारावास की सजा पाए कैदियों को किसी न किसी प्रकार का श्रम करना पड़ता है और उनके कौशल एवं इच्छा के आधार पर उन्हें काम सौंपा जाता है।'' सूत्रों ने बताया कि रेवन्ना ने प्रशासनिक कार्य संभालने में रुचि दिखाई थी, लेकिन जेल प्रशासन ने उन्हें लाइब्रेरी में तैनात करने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि इस पद पर काम करते हुए उन्हें पहले ही एक दिन बीत गया है।

कैदियों से आमतौर पर महीने में कम से कम 12 दिन काम करने की अपेक्षा की जाती है और यह एक सप्ताह में तीन दिन होता है। रेवन्ना का काम फिलहाल सीमित है, क्योंकि वह अदालती कार्यवाही में भाग लेने और अपने वकीलों से मिलने में अपना समय बिताते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा के पोते और जनता दल (एस) के वरिष्ठ नेता एवं होलेनरसीपुरा के विधायक एच. डी. रेवन्ना के बेटे को निचली अदालत ने हाल ही में बलात्कार के एक मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

धर्मस्थल मामला : अदालत ने चिन्नैया को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

मंगलूरु। मंगलूरु की एक अदालत ने धर्मस्थल में हत्याओं, दुष्कर्म और शवों को दफनाने के संबंध में आरोप लगाने वाले सी.एन. चिन्नैया को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस हिरासत में पूछताछ पूरी होने के बाद अदालत ने यह फैसला सुनाया। चिन्नैया को बेलथांगडी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया और मजिस्ट्रेट ने शिकायतकर्ता को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एसआईटी सूत्रों ने बताया कि चिन्नैया को आगे की पूछताछ के लिए शिवमोग्गा ले जाया जा सकता है। धर्मस्थल मामले से जुड़े आरोपों की छानबीन कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 23 अगस्त को चिन्नैया को गिरफ्तार किया था।

महाकुंभ में अपने बेटे को खो चुके दम्पत्ति ने अनेक संस्थाओं को किया दान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के बनशंकरी विधायक भवन स्थित आर सभागार में वासुकी आचार्य और श्रीमती शुभा आचार्य ने अपने एकमात्र दिवगंत पुत्र 'अंतरिक्ष' का जन्मदिन एक अलग ही अंदाज में मनाया। इस मौके पर उन्होंने समाज सेवा में लगे संगठनों को सम्मानित किया और दान-दक्षिणा दी। गौरतलब है कि आचार्य दम्पति अपने एक मात्र पुत्र के साथ महाकुंभ के स्नान के दौरान हुए एक हादसे में अपने पुत्र को खो दिया था। इस मौके पर दम्पत्ति ने अनेक संस्थाओं को आर्थिक सहयोग दिया।

शुभा वासुकी ने अपने पुत्र के आकस्मिक निधन के समय, उन्हें साहस और सांत्वना देने वाले अनेक लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सांसद तेजस्वी सूर्या, ब्रिगेडियर एस. पी. सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल सतीश शर्मा और भारतीय स्टेट बैंक के सहयोगियों द्वारा दिया गया सहयोग सराहनीय रहा। उन्होंने अपने पुत्र अंतरिक्ष की कुछ यादें साझा कीं, जो हमेशा कला और सांस्कृतिक सेवा से प्रेरित रहते थे और एक रचनात्मक जीवन जीते थे। वह एक अभिनेता-निर्माता के रूप में आगे बढ़ना चाहता था। वह किसी और के सहायक के रूप में काम नहीं करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि उनका अपना एक ऐसा साम्राज्य बनाने का बड़ा सपना है जो कई लोगों को रोज़गार दे सके। उन्होंने मायलापुर फ़िल्म के बारे में बात की, जिसमें अंतरिक्ष ने अभिनय और निर्माण किया था।

कार्यक्रम में उपस्थित गणकलाभूषण डॉ. आर. के. पद्मनाभन ने श्रीमती शुभा और श्री वासुकी आचार्य द्वारा गायन में की गई समाज सेवा की प्रशंसा की और उन्हें शुभकामनाएँ दीं। लेखिका श्रीमती दीपा फड़के ने अपने बच्चों को खो चुके अश्वत्थामा को क्षमा करने वाली पांचाली की स्थिति का वर्णन करते हुए कहा कि एक माँ का हृदय ऐसा ही होता है। दुःख को भूलकर शक्ति प्राप्त करना ही मानवता है। जीवन का उद्देश्य मनुष्य बनने की दिशा में एक कदम बढ़ाना है। शुभा और वासुकी अपनी समाज सेवा में सक्रिय रहें ताकि आने वाले दिनों में अपने पुत्र से वियोग का विचार मन में न आए। उन्होंने दंपत्ति की समाज सेवा की प्रशंसा की और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

अमेरिकी शुल्क मुद्दा

प्रधानमंत्री मोदी देश के 'दुश्मन' बन गए हैं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अमेरिकी शुल्क (टैरिफ) मुद्दे का जिक्र करते हुए रविवार को दावा किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दोस्त हो सकते हैं, लेकिन मोदी देश के ''दुश्मन'' बन गए हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मोदी और ट्रंप एक-दूसरे के लिए अच्छे हो सकते हैं, क्योंकि वे एक-दूसरे के लिए वोट मांगते हैं। खरगे ने दावा किया कि मोदी-डोनाल्ड ट्रंप गठबंधन भारत की कीमत पर हुआ है।

उन्होंने आरोप लगाया, ''वह (ट्रंप) और मोदी दोस्त हो सकते हैं, लेकिन मोदी देश के दुश्मन बन गए हैं। उन्होंने माहौल खराब कर दिया है।'' अमेरिकी शुल्क के भारत पर पड़ने वाले प्रभाव पर टिप्पणी करते हुए खरगे ने आरोप लगाया, ''ट्रंप ने बहुत बड़ा शुल्क लगाया। पचास प्रतिशत शुल्क के बाद, उन्होंने हमारे लोगों को बर्बाद कर दिया।'' उन्होंने कहा, ''आप अपनी विचारधारा पर चलें और देश के लोगों की रक्षा करें, क्योंकि राष्ट्र पहले आता है और आपकी मित्रता बाद में आती है।''

खरगे ने प्रधानमंत्री से यह भी कहा कि वह इस बात को समझें कि भारत ने दशकों तक तटस्थता और गुटनिरपेक्षता की विदेश नीति अपनाई है तथा उसे इसी रास्ते पर आगे बढ़ना चाहिए। संशोधित माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों पर खरगे ने कहा कि कांग्रेस गरीबों को लाभ पहुंचाने वाले किसी भी कदम का स्वागत करेगी, लेकिन उन्होंने भाजपा सरकार पर वर्षों से लोगों को परेशान करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया, ''हमने आठ साल पहले यह मुद्दा उठाया था। हमने कहा था कि अगर दो स्लैब होंगे, तो इससे गरीब लोगों को फायदा होगा, लेकिन उन्होंने चार से पांच स्लैब पेश किए और लोगों को लूटा। चुनाव नजदीक आने के बाद, उन्हें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ा और उन्होंने जीएसटी स्लैब में संशोधन किया।''

खरगे ने मोदी के पहले के दावे का भी उल्लेख किया कि ''चीन की ओर से किसी ने भी भारतीय क्षेत्र में प्रवेश नहीं किया'' और कहा कि ''अब मोदी स्वयं चीन में प्रवेश कर गए हैं।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि विपक्ष राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर एकजुट है, लेकिन वह मोदी को समर्थन का दुरुपयोग नहीं करने देगा। उन्होंने कहा, ''देश के मामले में हम एक हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि क्योंकि हम आपका समर्थन कर रहे हैं, इसलिए आपको मनमाने ढंग से काम करना चाहिए। हम इसमें विश्वास नहीं करते।''

खरगे ने मोदी पर ट्रंप के साथ खुलेआम गठजोड़ करके भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''उन्होंने यह कहकर भारत की स्थिति खराब कर दी कि 'ट्रंप मेरे मित्र हैं' और 'फिर एक बार ट्रंप'।'

' खरगे ने कहा कि यदि भारत ने अपनी गुटनिरपेक्ष नीति जारी रखी होती, जिसका पालन उसने आजादी के बाद से किया है, तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती। उन्होंने उन मुद्दों को सूचीबद्ध किया जिन्हें कांग्रेस बिहार में आगामी चुनावों में उजागर करने की योजना बना रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हमारे पास कई मुद्दे हैं; बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था, महिलाओं पर यौन उत्पीड़न... दलितों और पिछड़ों को छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है, और किसानों को खाद नहीं मिल रहा है। वोट चोरी' का मुद्दा भी हमारा मुख्य एजेंडा है।

निर्वाचन आयोग वोट चोरी के लिए भाजपा का बैक-ऑफिस बन गया है : खरगे

बेंगलूरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की भूमिका पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यह (आयोग) वोट चोरी के लिए भाजपा का ''बैक-ऑफिस'' बन गया है। खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कालक्रम को समझें। मई 2023 के कर्नाटक चुनाव से पहले, कांग्रेस ने अलंद निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने का खुलासा किया था। प्रपत्र संख्या-सात में फर्जीवाड़ा कर हजारों मतदाताओं के मताधिकार छीन लिये गये। उन्होंने कहा, ''फरवरी 2023 में एक मामला दर्ज किया गया। जांच में 5,994 जाली आवेदनों का खुलासा हुआ। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने दोषियों को पकड़ने के लिए सीआईडी ङ्कङ्कजांच का आदेश दिया।'' खरगे ने कहा, ''लेकिन यहां पेंच यह है कि जहां निर्वाचन आयोग ने पहले जालसाजी का पता लगाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों का कुछ हिस्सा साझा किया था तो वहीं अब उसने महत्वपूर्ण जानकारी को छुपा लिया है और (आयोग) वोट चोरी के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है!

स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो रहे प्रदेशवासी : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रतिबद्धता और चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहे नवाचार प्रदेश में सेहत की तस्वीर बदल रहे हैं। इन नवाचारों से न केवल आमजन को स्वास्थ्य सेवाएं सुगमता से मिलने लगी हैं, बल्कि स्वास्थ्य के कई मानकों में राजस्थान राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है।

अत्याधुनिक तकनीक और नवाचारपूर्ण योजनाओं से ग्रामीण से लेकर शहरी और रेगिस्तानी इलाकों से लेकर आदिवासी अंचलों तक न केवल बीमारियों का इलाज हो रहा है, बल्कि स्वास्थ्य संवर्धन की ओर तेजी से कदम बढ़ रहे हैं। रामाश्रय वार्ड, मिशन मधुहारी, मिशन लीवर स्माइल, स्तनपान प्रबंधन इकाइयां, हीमोडायलिसिस वार्ड, मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना, स्वस्थ नारी चेतना अभियान, निरामय राजस्थान अभियान, मिशन ओबीलॉस सहित कई ऐसे नवाचार सफलतापूर्वक लागू किए गए हैं, जिनसे प्रदेश में सेहत की तस्वीर में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

निरामय राजस्थान अभियान राजस्थान सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है जो प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सुलभ, सस्ती, और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के साथ ही स्वास्थ्य संवर्धन की दिशा में जागरूक करने की ओर सशक्त कदम है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समान रूप से सुलभ बनाना, स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना और चिकित्सा ढांचे को सुदृढ़ करना है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 7 अप्रेल 2025 को इस अभियान की शुरूआत की थी। यह अभियान न केवल उपचारात्मक स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करता है, बल्कि निवारक स्वास्थ्य, जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देता हे। अभियान के तहत हर माह की एक थीम निर्धारित कर आमजन को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। स्वच्छता, पौष्टिक व संतुलित आहार, अन्न को बढ़ावा देना, रोगों की प्राथमिक स्तर पर स्क्रीनिंग, योग एवं व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाने जैसे कदम इस अभियान के तहत उठाए जा रहे हैं।

मिशन मधुहारी राजस्थान सरकार की एक अभिनव और संवेदनशील पहल है, जो मधुमेह (डायबिटीज), विशेष रूप से टाइप-1 डायबिटीज की रोकथाम, प्रबंधन और जागरूकता के लिए शुरू की गई है। मिशन मधुहारी का उद्देश्य मधुमेह से प्रभावित लोगों को न केवल बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है, बल्कि जागरूकता, समय पर निदान और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से इस रोग के बोझ को कम करना भी है। यह अभियान विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में मधुमेह रोगियों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने पर केंद्रित है, ताकि एक स्वस्थ और सशक्त राजस्थान का निर्माण हो सके। इसके तहत टाइप-1 डायबिटीज के रोगियों को निःशुल्क इंसुलिन, ग्लूकोमीटर एवं ग्लूको स्ट्रिप प्रदान किए जाते हैं।

युवाओं में जंक फूड एवं खान-पान की आदतों के कारण होने वाली नॉन एल्कोहोलिक फेटीलीवर डिजीज की प्रिविलेंस रेट 9 से 32 प्रतिशत है। इसी को ध्यान में रखते हुए मिशन लीवर स्माइल कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य लीवर रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, समय पर स्क्रीनिंग और उपचार सुनिश्चित करना है। प्रदेश के 61 जिला अस्पतालों में लीवर स्माइल क्लिनिक स्थापित किए गए हैं। इन क्लिनिक्स के माध्यम से अब तक 32 हजार से अधिक व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की गई है। इनमें से करीब 1300 व्यक्तियों में फेटी लीवर डिजीज के लक्षण पाए गए।

'निरामय राजस्थान' के उद्देश्य से मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसे देखते हुए प्रदेश में स्तनपान प्रबंधन इकाइयां स्थापित की गई हैं। इन इकाइयों का मुख्य उद्देश्य नवजात शिशुओं को मां का दूध उपलब्ध कराना, स्तनपान से संबंधित समस्याओं का समाधान करना और माताओं को स्तनपान के लिए प्रशिक्षण व सहायता प्रदान करना है। प्रदेश में 29 ऐसी इकाइयों का शुभारंभ इस बात का प्रमाण है कि राजस्थान सरकार शिशु मृत्यु दर को कम करने और पोषण के स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

आरएसएस की अखिल भारतीय समन्वय बैठक संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक रविवार को यहां शिक्षा, महिला, अतिवृष्टि, समाज और राष्ट्र जीवन के विविध आयामों पर चर्चा के साथ संपन्न हो गई। लालसागर में आयोजित इस बैठक के अंतिम दिन संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने पत्रकार वार्ता में बैठक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसमें इन विविध पहलुओं सहित संघ शताब्दी वर्ष की योजनाओं पर जानकारी साझा की गई। आंबेकर ने बताया कि पांच सितंबर को शुरू हुई इस बैठक में शिक्षा क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, विद्या भारती, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, भारतीय शिक्षण मंडल और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सहित विभिन्न संगठनों ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक मातृभाषा में पढ़ाई को प्रोत्साहित करने की दिशा में सकारात्मक प्रयास हो रहे हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा और शिक्षा के भारतीयकरण के लिए पुस्तकों के पुनर्लेखन और शिक्षक प्रशिक्षण पर भी कार्य प्रगति पर है। बैठक में पंजाब में बढ़ते मतांतरण और युवाओं में फैलते नशे को लेकर चिंता व्यक्त की गई और सेवा भारती एवं विद्यार्थी परिषद द्वारा समाज जागृति और नशा मुक्ति अभियानों की जानकारी दी गई। पश्चिम बंगाल में बंगलादेश से हो रही घुसपैठ और नागरिक सुरक्षा संबंधी चुनौतियों पर गंभीर चिंता जताई गई वहीं पूर्वोत्तर राज्यों में घटती हिंसा और बढ़ते विकास के संकेतों को सकारात्मक माना गया। मणिपुर की हाल की घटनाओं पर संवाद- आधारित शांति प्रयासों की सराहना की गई।

जनजातीय क्षेत्रों के संदर्भ में बताया गया कि नक्सली और माओवादी हिंसा में कमी आई है परंतु समाज को भ्रमित करने के प्रयास अभी भी जारी हैं। वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा छात्रावासों और जनजातीय अधिकारों पर किए गए कार्यों का उल्लेख किया गया तथा जनजातीय समाज तक भारतीय परंपरा और राष्ट्रीय विचार पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। संघ शताब्दी वर्ष की योजनाओं पर भी विस्तृत जानकारी दी गई।

पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन और नागरिक कर्तव्य जैसे विषयों पर विशेष कार्यक्रम चलाए जाएंगे। आगामी दो अक्टूबर को नागपुर में विजयादशमी उत्सव के साथ शताब्दी वर्ष का औपचारिक शुभारंभ होगा। आंबेकर ने बताया कि बैठक में महिला सहभागिता को लेकर भी चर्चा हुई और क्रीड़ा भारती द्वारा महिला खिलाड़ियों में योग-ज्ञान और अध्ययन को बढ़ावा दिया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत महिला कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए 887 कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संगठनों में महिलाओं की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है।

पत्रकार वार्ता में मतांतरण, घुसपैठ, काशी-मथुरा जैसे विषयों पर भी विचार व्यक्त किए गए और स्पष्ट किया गया कि इन समस्याओं का समाधान संघर्ष या आंदोलन से नहीं बल्कि कानूनी और आपसी बातचीत से खोजा जाएगा। भाषा के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में होनी चाहिए और सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान आवश्यक है। अंग्रेजी का विरोध नहीं है किंतु भारतीय भाषाओं को शिक्षा और शासन में उचित स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में लोकगायक अनवर खान ने अपनी प्रस्तुति दी और सरसंघचालक डा मोहन भागवत ने उनका अभिनंदन किया। आंबेकर ने कहा कि दिशा सकारात्मक है, यद्यपि कुछ विषयों पर अभी और कार्य अपेक्षित है। उन्होंने आश्वस्त किया कि शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रारंभ हुए प्रयास आगामी वर्षों में भी सतत जारी रहेंगे।

कांग्रेस को अभी लोकतंत्र के बारे बहुत कुछ सीखना हैं : पूनिया

जोधपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा हरियाणा प्रभारी डा सतीश पूनिया ने कांग्रेस को लोकतंत्र के बारे में और सीखने एवं नैतिक प्रशिक्षण लेने की जरुरत बताते हुए कहा है कि उसके नेता सत्ता से हटते ही मानसिक रूप से इतने विचलित हो जाते हैं कि विपक्ष की भूमिका के बारे में भी उन्हें कोई संज्ञान नहीं है। डा पूनिया ने अपने जोधपुर दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भले ही सबसे पुरानी पार्टियों में से एक हो, लेकिन उसे अभी भी देश के लोकतंत्र के बारे में बहुत कुछ सीखना है।

इसके नेता सत्ता से हटते ही मानसिक रूप से इतने विचलित होते हैं कि विपक्ष की भूमिका के बारे में भी उन्हें कोई संज्ञान नहीं है। इसके लिए कांग्रेस नेतृत्व दोषी है। उन्होंने कहा कि वे सत्ता के बिना नहीं रह सकते है और एक रचनात्मक विपक्ष किसी भी देश के लोकतंत्र की ताकत होता हैं लेकिन आज की राहुल गांधी कांग्रेस ने उस युग धर्म को भुला दिया हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को नैतिक प्रशिक्षण की जरुरत हैं कि विपक्ष में और देश के प्रति मुद्दों को सकारात्मक रुप से कैसे रखे और सदन की गरिमा को कैसे बनाये रखे।

अतिवृष्टि से प्रभावितों तक राहत पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : ओटाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यमंत्री ग्रामीण विकास, पंचायतीराज, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग, राजस्थान सरकार व जिला प्रभारी मंत्री ओटाराम देवासी ने रविवार को बजट घोषणाओं, विभागवार उपलब्धियों तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं जिले में अतिवृष्टि से उपजे हालातों और प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे राहत कार्यों की गहन समीक्षा की। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रभावितों तक राहत पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में प्रभारी मंत्री देवासी ने जिले में अब तक हुई मानसूनी वर्षा के आंकड़ों, अतिवृष्टि के कारण हुए विभिन्न प्रकार के नुकसान, और आपदा के दौरान अपनी जान गंवाने वाले लोगों के आश्रितों को दी जाने वाली सहायता की विस्तार से समीक्षा की। जिला प्रभारी मंत्री ने सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि राहत का लाभ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचे। प्रभारी मंत्री देवासी ने बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुए सरकारी भवनों, विशेषकर स्कूलों, अस्पतालों, सडकों, पुलियाओं और आंगनबाड़ी केन्द्रों की मरम्मत के प्रस्तावों पर भी चर्चा की। उन्होंने एसडीआरएफ के नियमों के तहत विभिन्न विभागों से प्राप्त मरम्मत प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन भवनों की मरम्मत का कार्य शीघ्रता से सुनिश्चित किया जाएं, ताकि आमजन से जुड़ी आवश्यक सेवाएं बाधित न हों।

किसानों की पीड़ा को समझते हुए, प्रभारी मंत्री ने बैठक का मुख्य फोकस फसल खराबे पर रखा। उन्होंने कृषि विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार खराब हुई फसलों की गिरदावरी का कार्य अविलंब पूरा करवाया जाएं। उन्होंने कहा, किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। इस आपदा की घड़ी में सरकार उनके साथ खड़ी है। यह सुनिश्चित करें कि गिरदावरी पूरी पारदर्शिता के साथ और समय पर हों, ताकि किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा और फसल बीमा का लाभ दिलाया जा सके।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण को लेकर कई नए अभियान शुरू कर रही है। गांव चलो अभियान 18 सितम्बर से प्रारंभ होगा, जिसके तहत प्रतिदिन 2 ग्राम पंचायतों में शिविर लगाए जाएंगे। शहर चलो अभियान 15 सितम्बर से नगरीय निकायों में आयोजित होगा। वहीं सहकारिता सदस्यता अभियान 2 अक्टूबर से प्रारंभ किया जाएगा। प्रभारी मंत्री ने कहा राज्य सरकार की मंशा है कि अंतिम छोर तक बैठे प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाया जाए। जिले के सभी अधिकारी एवं विभाग समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि विकास और जनकल्याण में तेजी आए। बैठक में जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने कहा कि जिले में मानसून सत्र 2025 में जिले में 1600.87 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो पिछले 10 वर्षों के औसत 1001.24 मिमी से कहीं अधिक है। जिले में अब तक 203 पीड़ित परिवारों को जनहानि, मकानों की क्षति व अन्य नुकसान के संदर्भ में 49 लाख रुपए राशि स्वीकृति की जा चुकी है। भारी बारिश के दौरान प्रशासन, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस टीम ने 21 रेस्क्यू अभियान चलाकर 112 लोगों की जान बचाई तथा 13 शवों को बाहर निकाला।

गाँव चलो और शहर चलो अभियान में आमजन की समस्याओं का प्रभावी समाधान करने के निर्देश : बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं राजसमंद जिला प्रभारी मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने रविवार को राजसमंद जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अधिक वर्षा के बीच किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह राउंड द क्लॉक तैयार रहे। उन्होंने कहा कि किसी भी समय अनहोनी, जलभराव आदि की सूचना मिले तो तुरंत राहत और बचाव की कार्रवाई शुरू होनी चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने जिले में बचाव कार्यों को लेकर प्रशासन द्वारा अब तक की गई कार्यवाही को लेकर संतोष जाहिर किया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि निचले भौगोलिक क्षेत्र में स्थित गाँवों में विशेष ध्यान रखा जाए। सभी उपखंड अधिकारी और तहसीलदार अपने पटवारियों से पुराने वर्षों के अनुभव लेकर उन गाँवों की पहचान करें, जहाँ अक्सर समस्या उत्पन्न होती है। बैठक में फसल गिरदावरी की प्रगति पर चर्चा करते हुए डॉ. बैरवा ने कहा कि किसानों के प्रति संवेदनशील रह कर गिरदावरी जल्द पूर्ण की जाए। पशुपालन विभाग को सभी पशु चिकित्सालयों में दवाइयाँ, वैक्सीन, डीवॉर्मिंग और कोल्ड चैन उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। पंच गौरव योजना की समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों को बेहतर कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया।

जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा ने बताया कि जिले में इस वर्ष 1 जनवरी से अब तक 818 मिमी वर्षा दर्ज हुई है, जो पिछले दस वर्षों के औसत (752 मिमी) से अधिक है। पहाड़ी क्षेत्रों में वर्षा ज्यादा हुई है जबकि मैदानी क्षेत्रों में औसत से कम। उन्होंने जानकारी दी कि जिले में कुल 13,90,137 खसरे हैं जिनमें से अब तक 7,48,602 खसरों की गिरदावरी (53.85 प्रतिशत) पूर्ण हो चुकी है।

बैठक में उपमुख्यमंत्री द्वारा जिला राजसमन्द में राहत एवं बचाव कार्यों की प्रभावी समीक्षा की गई। प्रेजेंटेशन में बताया गया कि तहसील कुम्भलगढ़ में दिनांक 18 जुलाई 2025 को अतिवृष्टि के दौरान 40 स्कूली बच्चों एवं 05 व्यक्तियों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया, वहीं तहसील राजसमन्द में दिनांक 27 अगस्त 2025 को मोही क्षेत्र में बनास नदी से एक व्यक्ति का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। कुंभलगढ़ क्षेत्र में अतिवृष्टि के बाद तत्काल प्रभाव से बिजली व्यवस्था एवं सड़कों को बहाल किया गया। जिले में बाढ़ नियंत्रण कक्ष 24द7 सक्रिय रूप से संचालित है, जिसमें 21 नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक तीन पारियों में कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त, एसडीआरएफ की टीम भी जिला स्तर पर बाढ़ बचाव कार्यों हेतु तैनात की गई है।

पंच गौरव योजना के अंतर्गत एक जिला-एक उपज कार्यक्रम में सीताफल को चयनित किया गया है। प्रचार-प्रसार, कृषक प्रशिक्षण, भ्रमण, कृषक चयन एवं पौध वितरण जैसी गतिविधियों के लिए जुलाई 2025 से फरवरी 2026 तक की कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसके लिए विभागीय मद से 4.5 लाख रुपये एवं पंच गौरव मद से 14.75 लाख रुपये का बजट प्रस्तावित किया गया है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन वर्ष 2025-26 में 2.5 हैक्टेयर क्षेत्र में सीताफल बगीचा स्थापित करने की प्रशासनिक स्वीकृति भी जारी की गई है।

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के दो कुख्यात सदस्य हथियारों सहित गिरफ्तार

श्रीगंगानगर। राजस्थान में बीकानेर जिले में पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के दो कुख्यात सदस्यों को गिरफ्तार करके एक बड़ी आपराधिक साजिश को नाकाम कर दिया है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि इन बदमाशों से पांच देशी पिस्तौल, एक मैगजीन और 12 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। ये अपराधी बीकानेर शहर में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। दोनों बदमाशों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने बताया कि बीकानेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक हेमंत शर्मा और पुलिस अधीक्षक कविंद्रसिंह सागर की सतर्क निगरानी और निर्देशों के तहत यह सफल हुआ। इस गिरोह की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही थी। खुफिया जानकारी के आधार पर एक विशेष दल गठित किया गया। दल ने शनिवार रात को इनको दबोंच लिया। पुलिस ने बताया कि बदमाशों में श्रवणसिंह सोडा, निवासी बज्जू कुख्यात हथियार तस्कर है और 'सोडा' नाम से अपने गिरोह का संचालन करता है। दूसरा राजेश तरड़ निवासी खाजूवाला कुख्यात बदमाश है।

अतिवृष्टि से प्रभावितों को यथाशीघ्र सहायता उपलब्ध कराएं : सिंह

जयपुर। राज्यमंत्री, राजस्व, उपनिवेशन एवं सैनिक कल्याण विभाग, राजस्थान सरकार एवं जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी रविवार को जिले के दौरे पर रहे. इस दौरान सिंह ने जिले के अधिकारियों के साथ फील्ड में जाकर अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों और विभिन्न कार्यों का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कोटपूतली के ग्राम कँवरपूरा में तिल, ग्वार और बाजार की फसलों की स्थिति और ग्राम गोवर्धनपुरा में आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया।

सिंह ने जिले में हुई अतिवृष्टि के कारण हानि, फसल खराबा, आवास संबंधित हानि, पशु क्षति की जानकारी लेकर कहा कि लगातार हो रही बारिश के मद्देनजर जर्जर भवनों, कच्चे मकानों का विशेष ध्यान रखें तथा पटवारी एवं ग्राम विकास अधिकारी फील्ड में जाकर समय-समय पर मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि हमारी सतर्कता से जनहानि को बचाया जा सकता है, इसलिए पूर्णतः जिम्मेदारी से कार्य करें।

सिंह ने कृषि एवं राजस्व विभाग को निर्देश दिए कि खराब हुई फसलों की गिरदावरी समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण की जाए ताकि किसानों को शीघ्र मुआवजा एवं फसल बीमा का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा

किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, इस कठिन समय में सरकार उनके साथ खड़ी है। उन्होंने स्थानीय किसानों से संवाद कर प्रशासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं और सहायता का फीडबैक लेकर कहा कि सभी विभाग समन्वयपूर्वक कार्य करते हुए प्रभावितों को शीघ्र राहत उपलब्ध कराएं और सरकार के सुशासन विजन के अनुरूप कार्य कर आमजन के हितार्थ कार्य करें।

जिला प्रभारी मंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण दौरान भवन की स्थिति, भोजन की गुणवत्ता, केंद्र पर पंजीकृत बच्चों की संख्या, शिक्षण व्यवस्था और आंगनबाड़ी केंद्र पर उपलब्ध करवाई जा रही विभिन्न सेवाओं का जायजा लिया।

जल भराव की समस्या का हो स्थाई समाधान : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कोटा जिले के प्रभारी एवं सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने रविवार को जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों एवं क्षतिग्रस्त सड़कों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। दक ने जलभराव की समस्या के स्थाई समाधान के उपायों पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से चर्चा की। दक पिछले दिनों हुई अत्यधिक वर्षा के बाद जलभराव से प्रभावित रहे कोटा

के देवली अरब के कौटिल्य नगर पहुंचे और वहां स्थानीय लोगों से बात कर उनकी समस्याएं जानी। दक ने जिला कलेक्टर को कौटिल्य नगर क्षेत्र में नाले पर से अतिक्रमण हटाकर उसकी चौड़ाई बढ़ाने, जल निकासी का स्थाई समाधान निकालने एवं क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत करने के निर्देश दिए। स्थानीय लोगों एवं लाडपुरा विधायक श्रीमती कल्पना देवी ने हर वर्ष इस क्षेत्र में होने वाले जल भराव की समस्या के स्थाई समाधान के लिए डाइवर्जन चैनल बनाकर यहां आने वाला ऊपरी इलाकों का पानी आलनिया बांध में डायवर्ट करने का सुझाव दिया। प्रभारी मंत्री ने जिला कलक्टर एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में शीघ्र ही प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

पिछली सरकारों के शासन में युवाओं के सामने था पहचान का संकट : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पहले राज्य के युवाओं के सामने 'पहचान का संकट' था और प्रदेश को 'बीमारू' राज्य करार दिया जाता था।

मुख्यमंत्री ने लखनऊ में राज्य सरकार द्वारा संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के लिए नव-चयनित 1,510 अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा, जब आप अपने स्कूलों और पॉलिटेक्निक में थे तो आपने अनुभव किया होगा कि उत्तर प्रदेश के साथ दो चीजें जुड़ी हुई थीं। पहली, जब उत्तर प्रदेश के युवा राज्य से बाहर जाते थे तो लोग उन्हें हीन नजरों से देखते थे। उन्हें पहचान के संकट का सामना करना पड़ता था। परिणामस्वरूप उनके मन में हीन भावना विकसित हो जाती थी। मुख्यमंत्री ने कहा, हम पर बीमारू राज्य का ठप्पा लगा दिया गया इसका मतलब था देश के विकास में बाधा। एक बड़ा राज्य जो संसाधनों से भरपूर है, एक ऐसा राज्य जहां भगवान भी किसी न किसी अवतार में आए, ऐसा राज्य 'बीमारू' हो गया और उसे पहचान के संकट का सामना करना पड़ा? उन्होंने कहा कि 'बीमारू' शब्द का

प्रयोग जनसांख्यिकीविद् आशीष बोस ने 1980 के दशक के मध्य में किया था। यह नाम देश के कुछ सबसे गरीब राज्यों बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के नामों के पहले अक्षरों से बना था। आदित्यनाथ ने दावा किया कि पहले जब त्योहारों के समय उत्साह का माहौल दिखना चाहिए था उस समय लोगों के मन में डर होता था कि पता नहीं कब दंगे हो जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा, हाल ही में गणपति महोत्सव और बारावफात मनाया गया, लेकिन कोई दंगा या गुंडागर्दी नहीं हुई। अयोध्या, काशी, प्रयागराज और गढ़मुक्तेश्वर में लाखों लोग स्नान कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पिछले आठ वर्षों में हम उस राज्य को सातवीं और आठवीं अर्थव्यवस्था से देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने में सफल रहे हैं। हम 'बीमारू' राज्य के ठप्पे को उखाड़ फेंकने में सफल रहे हैं और आज हमने उत्तर प्रदेश को भारत के विकास के इंजन के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि ऐसा राज्य की 25 करोड़ जनता, उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों-कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयासों से संभव हुआ है।

सरकार के रोजगार अभियान पर प्रकाश डालते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में 8.50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में सरकारी और निजी, दोनों क्षेत्रों में नौकरियों की भरमार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आठ वर्षों में 60 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला, इनमें से 14 लाख युवाओं को उप्र -कौशल विकास मिशन के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। आदित्यनाथ ने कहा, चार सौ साल पहले, उत्तर प्रदेश सबसे समृद्ध राज्यों में से एक था। इसे विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक लूट का सामना करना पड़ा। 1947 में जब भारत स्वतंत्र हुआ, तब भी उत्तर प्रदेश सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी।

'कांग्रेस और सपा लगातार पिछड़ों और दलितों को गुमराह करने का काम करती हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एटा/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने रविवार को कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी लगातार पिछड़ों और दलितों को गुमराह करने का काम करती रही हैं।

राजभर ने यहां हंसपुर जरानी में महाराजा लक्खी शाह बंजारा की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद बंजारा समाज की रैली को संबोधित करते हुए सपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। राजभर ने कहा, आजादी के बाद कांग्रेस ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को हरवाया था। तब भी कांग्रेस ने वोट चोरी किया और आज भी वही काम कर रही है। हाल ही में एबीवीपी छात्रों को गुंडा कहे जाने वाले बयान पर भी राजभर ने सफाई दी। मंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी इस तरह का कोई बयान नहीं दिया और साथ ही दावा किया कि यह विपक्ष की साजिश है, जो सपा और कांग्रेस मिलकर फैला रही हैं। उन्होंने कहा, कानून से ऊपर कोई नहीं है, देश में कानून का राज है और जिसने भी कानून तोड़ा है वह जेल गए हैं। सपा से निष्कासित विधायक पूजा पाल द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ पर भी राजभर ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पूजा पाल ने जो कहा वह बिल्कुल सही कहा और आरोप लगाया कि सपा हमेशा से महिला, दलित, पिछड़ा और मुस्लिम विरोधी पार्टी रही है।

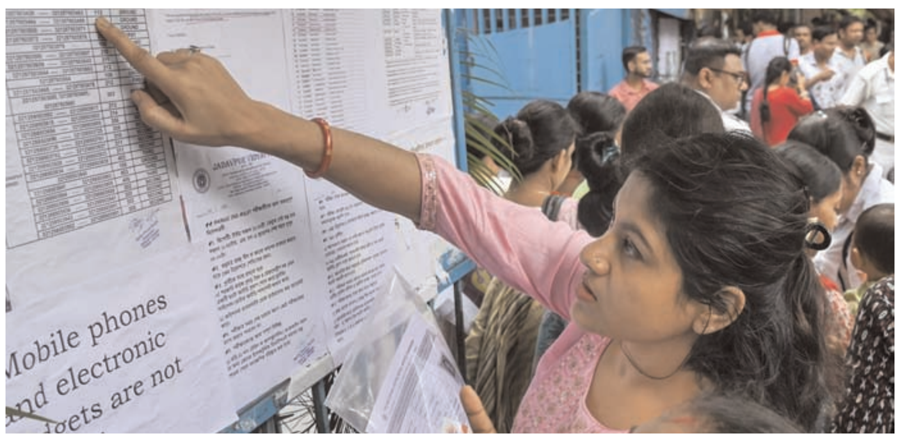

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दिलाई पुर्तगाल को बड़ी जीत

मैनचेस्टर/एपी। रिकॉर्ड छठी बार फुटबॉल विश्व कप में खेलने की कवायद में लगे क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल की मदद से पुर्तगाल ने आर्मेनिया को 5-0 से हराकर यूरोपीय क्वालीफाइंग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। रोनाल्डो ने इस तरह से अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने के अपने रिकार्ड को 140 पर पहुंचा दिया है। विश्व कप अगले साल अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में आयोजित किया जाएगा और अगर रोनाल्डो इसमें भाग लेते हैं तो यह नया रिकॉर्ड होगा। अब तक कई खिलाड़ी पांच विश्व कप में खेल चुके हैं लेकिन छह बार इसमें भाग लेना नया रिकॉर्ड होगा। इस बीच इंग्लैंड ने विला पार्क में अंडोरा के खिलाफ 2-0 की जीत के साथ क्वालीफाइंग में अपना विजय अभियान जारी रखा।

पूरे साल फिटनेस बनाये रखने के लिए 'ब्रेक' लेना जरूरी : शार्दुल

बेंगलूरु/भाषा। भारत के तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने रविवार को खिलाड़ियों को खेल से कभी-कभी 'ब्रेक (खेल से विश्राम)' लेने का समर्थन करते हुए कहा कि आधुनिक क्रिकेटरों के लिए पूरे साल अपनी फिटनेस बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। इंग्लैंड के खिलाफ पिछले महीने समाप्त हुई पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के केवल तीन टेस्ट खेलने के बाद भारतीय क्रिकेट जगत में कार्यभार प्रबंधन (चोट और थकान से बचने लिए) चर्चा का विषय बन गया है। शारदुल ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, मैं इन सवालों की सराहना करता हूं। कोई भी वास्तव में आकर हमसे नहीं पूछता कि इतने महीनों तक खेलने के बाद हमारे शरीर को कैसा महसूस होता है। कई बार हमें हल्के में लिया जाता है और इससे जुड़ा प्रबंधन शीर्ष स्तर का नहीं होता है। दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पश्चिम क्षेत्र की अगुवाई करने के बाद ठाकुर ने कहा, मैं फिजियो और एसएनसी (स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच) के साथ लगातार काम करके अपने शरीर को प्रबंधित कर रहा हूं, क्योंकि यह क्रिकेट खेलने के बारे में है।

ठाकुर ने कहा कि इस युग के खिलाड़ियों का कार्यक्रम काफी व्यस्त होता है। ऐसे में उन्हें कुछ समय के लिए आराम की जरूरत होती है। इस तेज गेंदबाज हरफनमौला ने कहा, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि आप खुद को खेल से दूर रखें लेकिन मैचों के बीच में ब्रेक जरूरी होता है। आधुनिक क्रिकेट में एक खिलाड़ी के लिए पूरे साल फिटनेस बनाए रखना एक निरंतर चुनौती होगी। यह कठिन है। इस 33 साल के खिलाड़ी ने कहा कि एक बार जब खिलाड़ी खेल में प्रवेश कर लेते हैं, तो उन्हें अपना 100 प्रतिशत देने से पीछे नहीं हटना चाहिए। शारदुल ने कहा, एक बार जब आप मैच से जुड़ जाते हैं, तो आप कार्यभार प्रबंधन के बारे में बात नहीं कर सकते, क्योंकि खेल की स्थिति भी हावी हो जाती है। जब आप मैदान में होते है तो आपसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्मीद की जाती है। आपके पास जो कुछ भी है, आपको अपना सब कुछ झोंकना होता है। यह तेज गेंदबाज हालांकि दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की पिच से खुश नहीं दिखा।

'ट्रंप टैरिफ' के आतंक से निपटने के लिए ठोस कदम उठाए सरकार : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50% टैरिफ की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि 'ट्रंप टैरिफ' के आतंक से निपटने के लिए केंद्र सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए।

मायावती ने यहां पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ एक बैठक में अपने संबोधन के दौरान अमेरिकी टैरिफ का जिक्र करते हुए कहा, अमेरिका द्वारा थोपे गए 50 प्रतिशत 'ट्रंप टैरिफ' के आतंक के कारण पैदा हुईं चुनौतियों से निपटने के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को देश की जनता के लाभ के लिए मजबूत और सार्थक कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा, यदि ऐसा नहीं किया गया तो देश की जनता को परेशान करने वाली समस्याएं जैसे गरीबी, मुद्रास्फीति, बेरोजगारी, अशिक्षा, पलायन और भी बदतर हो जाएंगी तथा देश के सम्मान और वैश्विक प्रतिष्ठा पर इसका असर पड़ेगा।

मायावती ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वह भारत-अमेरिका संबंधों के सकारात्मक आकलन के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सराहना करते हैं। इससे पहले, ट्रंप ने दोनों देशों के विशेष संबंध की सराहना की, जिसे दोनों देशों के रिश्तों में आए तनाव को खत्म करने के प्रयास के तौर पर देखा गया। भारतीय सामानों पर 50% शुल्क लगाने के ट्रंप के फैसले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। इसमें से 25% शुल्क रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर लगाया गया था। भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित और विवेकहीन बताया था। बसपा प्रमुख का यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उत्तर प्रदेश के प्रमुख निर्यात केंद्र अमेरिका द्वारा भारतीय सामानों पर लगाए गए टैरिफ के प्रभाव से जूझ रहे हैं, निर्यातकों ने रोजगार छिनने, ऑर्डर रुकने और बाजार तक पहुंच कम होने की आशंकाएं जतायी हैं। नोएडा, कानपुर और वाराणसी के प्रमुख उद्यमियों ने कहा है कि टैरिफ ने वर्षों की कड़ी मेहनत से बनाये गए बाजार को खतरे में डाल दिया है। भदोही के कालीन निर्यातकों, रामपुर के मेंथा तेल उत्पादकों और मुरादाबाद के पीतल के बर्तनों के निर्यातकों ने भी ऐसी ही चिंताएं जाहिर की थीं। भदोही सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक जाहिद बेग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर जिले के प्रसिद्ध कालीन उद्योग की मदद के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की है। भदोही का कालीन उद्योग काफी हद तक निर्यात पर निर्भर है।

अब ऑनलाइन ऑर्डर पर खाना मंगाना होगा महंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। त्योहारी सीजन से पहले जोमैटो, स्विगी और मैजिकपिन द्वारा मंच शुल्क में की गई बढ़ोतरी से देशभर के लाखों लोगों के लिए ऑनलाइन खाना ऑर्डर करना महंगा हो जाएगा। 22 सितंबर से डिलिवरी शुल्क पर 18 प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगने के कारण यह और भी बढ़ सकता है।

स्विगी ने चुनिंदा बाजारों में अपना प्लेटफॉर्म या मंच शुल्क जीएसटी सहित 15 रुपए कर दिया है। प्रतिद्वंद्वी जोमैटो ने अपना शुल्क बढ़ाकर 12.50 रुपए (जीएसटी को छोड़कर) कर दिया है, जबकि तीसरी सबसे बड़ी खाने की डिलिवरी करने वाली कंपनी मैजिकपिन ने भी व्यापक उद्योग रुझानों के अनुरूप, अपना मंच शुल्क संशोधित करके 10 रुपए प्रति ऑर्डर कर दिया है। माना जा रहा है कि 22 सितंबर से डिलिवरी शुल्क पर लगाए जाने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी के कारण जोमैटो उपयोगकर्ताओं के लिए प्रति ऑर्डर लगभग दो रुपए और स्विगी ग्राहकों के लिए 2.6 रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। पीटीआई-भाषा द्वारा स्विगी और जोमैटो को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला।

मैजिकपिन के प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी पहले से ही अपने भोजन वितरण लागत पर 18 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान कर रही है। प्रवक्ता ने आगे कहा, जीएसटी में हालिया बदलाव हमारी लागत संरचना को प्रभावित नहीं करती हैं। इसलिए, उपभोक्ताओं पर जीएसटी वृद्धि का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। हमारा मंच शुल्क 10 रुपए प्रति ऑर्डर ही रहेगा, जो प्रमुख खाद्य वितरण कंपनियों में सबसे कम है। हाल के दिनों में मंच शुल्क खाद्य वितरण कंपनियों के लिए राजस्व का एक अतिरिक्त स्रोत बनकर उभरा है। जोमैटो, स्विगी और मैजिकपिन द्वारा एक साथ की गई बढ़ोतरी भारत के खाद्य वितरण क्षेत्र में बढ़ती लागत के बढ़ते रुझान को रेखांकित करती है, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या लाखों ग्राहकों के लिए सामर्थ्य और सुविधा अब भी साथ-साथ चल सकती है।

बंगाल में 91 फीसदी से अधिक अभ्यर्थियों ने एसएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल एसएससी की स्कूल स्तरीय चयन परीक्षा (एसएलएसटी) में करीब 3.19 लाख अभ्यर्थियों में से 91 प्रतिशत से अधिक शामिल हुए।

अप्रैल में उच्चतम न्यायालय की ओर से सरकारी स्कूलों में 26,000 से अधिक नियुक्तियों को रद्द किए जाने के बाद पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) द्वारा आयोजित यह पहली शिक्षक भर्ती परीक्षा है। यह परीक्षा रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच राज्य भर के 636 केंद्रों पर आयोजित की गई।

डब्ल्यूबीएसएससी के अध्यक्ष सिद्धार्थ मजूमदार ने एक बयान में कहा, 3.19 लाख उम्मीदवारों में से लगभग 91 प्रतिशत ने परीक्षा दी। मैं पूरे राज्य प्रशासन को धन्यवाद देता हूं कि उसने हमें सुचारू रूप से परीक्षा आयोजित करने में पूर्ण सहयोग दिया। नौवीं और 10वीं कक्षा के लिए सहायक शिक्षक भर्ती करने के वास्ते परीक्षा दोपहर 12 बजे शुरू हुई और 1.30 बजे समाप्त हुई, जबकि दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 20 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया था। बिहार के भी कई अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए।

मजूमदार ने बताया कि बाहरी उम्मीदवारों की कुल संख्या 31,000 से ज़्यादा है।

उत्तर प्रदेश के उम्मीदवार उमेश यादव ने बताया कि उन्होंने विज्ञान में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है और पश्चिम बंगाल में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

परीक्षा केंद्रों पर तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई थी, जिसमें परीक्षा स्थल से 100 मीटर की दूरी पर नाका जांच तथा गेट और परिसर में कई बार जांच शामिल थी।

मणिपुर में दो उग्रवादी, दो साइबर अपराधी गिरफ्तार

इंफाल/भाषा। मणिपुर में लोगों से जबरन वसूली करने के आरोप में अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों के दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि प्रतिबंधित संगठन 'पीआरईपीएके' से जुड़े एक उग्रवादी को शनिवार को इंफाल पश्चिम जिले के हाओरेइबी क्षेत्र में उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। इसमें कहा गया है, उग्रवादी की पहचान सरुंगबाम बोदय सिंह (37) के रूप में हुई है, जो दुकानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और आम जनता से जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल था।

इसके अलावा, प्रतिबंधित संगठन 'केसीपी' (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को शनिवार को थौबल जिला अस्पताल के पास से गिरफ्तार किया गया। उग्रवादी की पहचान होदम बिक्रम सिंह (34) के रूप में हुई है और उसके कब्जे से एक दोपहिया वाहन जब्त किया गया है। इस बीच, शुक्रवार को थौबल जिले के विभिन्न हिस्सों से मुखौटा बैंक खाते संचालित करने वाले दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

भारतीय महिला फुटबॉल को संरचनात्मक और सांस्कृतिक सुधारों की जरूरत : अदिति चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की पूर्व दिग्गज गोलकीपर अदिति चौहान ने महिला फुटबॉल में तत्काल संरचनात्मक और सांस्कृतिक सुधारों की मांग की है। उनका कहना है कि इसके बिना देश की प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाएंगी और बड़े मंच पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएंगी।

अदिति ने हाल ही में 17 साल के करियर के बाद खेल से संन्यास की घोषणा की। इस दौरान वह यूरोप में पेशेवर फुटबॉल खेलने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, भारत में बड़े होने और लंबे समय तक फुटबॉल खेलने की कोशिश करने के मेरे अनुभव और ब्रिटेन में वेस्ट हैम के लिए खेलते हुए, वहां की व्यवस्था, लीग, टीम और प्रतियोगिताओं के स्तर को समझने के अनुभव से मुझे एहसास हुआ कि यही कारण है कि पिछले 10-15 वर्षों में ब्रिटेन एक ऐसी टीम से पूरी तरह बदल गया है जो सिर्फ प्रतियोगिता में हिस्सा लेती थी, अब वह शीर्ष तीन स्थानों या विश्व कप और ओलंपिक जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा करती है।

अदिति ने कहा कि वह अपनी पहल 'शीकिक्स फुटबॉल लीग' के माध्यम से अगली पीढ़ी की खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने जोर दिया कि भारत में इस खेल के विकास के लिए सांस्कृतिक और संरचनात्मक समर्थन दोनों महत्वपूर्ण हैं। अदिति ने कहा, मुझे लगता है कि दो चीजें हैं। मीडिया रोल मॉडल बनाने और माता-पिता में जागरूकता लाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाता है क्योंकि हमें यह समझना होगा कि भारत में हमारी संस्कृति में माता-पिता ही बच्चों के लिए फैसला करते हैं। उन्होंने कहा, चाहे बच्चे रुचि रखते हों या नहीं, लेकिन अगर वे किसी खेल को जारी रखना चाहते हैं या उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं तो यह फैसला माता-पिता का होता है। इसलिए माता-पिता को यह बताना होगा कि पेशेवर अवसर उपलब्ध हैं, आप इससे करियर बना सकते हैं।

अदिति ने कहा, दूसरी बात है व्यवस्था। ऐसे लोग जो बड़े संसाधन रखते हैं। वे एक साथ आएं और जमीनी स्तर पर कुछ करने की कोशिश कर रहे लोगों की मदद करें। उन्होंने कहा, यह कुछ ऐसी चीजें थीं जिनमें हमें भी चुनौती का सामना करना पड़ा। प्रायोजक ढूंढना, ऐसे लोग ढूंढना जिनके पास संसाधन हों, जो इस टूर्नामेंट या लीग को और बड़ा बना सकें। लेकिन हमें कहीं से शुरुआत करनी होगी। हम अपने सहयोगियों से खुश हैं। यह बहुत अच्छा है कि वे हमारे विजन से सहमत हैं। भारत अगले एएफसी महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई कर गया है और अदिति ने आगे के रास्ते के बारे में एक व्यावहारिक दृष्टिकोण दिया। उन्होंने कहा, जापान, चीनी ताइपे, वियतनाम जैसी टीमों से खेलना आसान नहीं होगा। उन्होंने भी वहां खेलने के लिए क्वालीफाई किया है। हमें और अधिक मैच, मैच अनुभव, मैत्री मैच, टूर्नामेंट में भाग लेने की आवश्यकता है।

मुझे हमेशा वह ट्रेनिंग या कोच नहीं मिलता जो मुझे वास्तव में चाहिए : लवलीना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लीवरपूल/भाषा। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पहले दौर से बाहर होने के बाद ट्रेनिंग के कम अवसरों पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें हमेशा वह ट्रेनिंग नहीं मिलती जो उन्हें वास्तव में चाहिए।

एक साल से अधिक समय बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी करने वाली टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना शनिवार को 75 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में तुर्की की बुसरा इस्लिदार के खिलाफ 0-5 की हार के दौरान लय में नहीं दिखी।

लवलीना ने शनिवार को 'एक्स' पर लिखा, एक साल बाद मैंने अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मैं अपने पहले ही मुकाबले में हार गई... इससे पीड़ा पहुंचती है। मुझे खेद है कि मैं इस बार ऐसा नहीं कर पाई। लेकिन सभी जानते हैं - मैं कभी भी किसी और चीज के लिए नहीं लड़ती, सिर्फ अपनी ट्रेनिंग के लिए। मैं कभी विलासिता की चीजें नहीं मांगती। मैं सिर्फ अच्छी ट्रेनिंग मांगती हूं।

इस 27 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने पेरिस ओलंपिक और उसके बाद के मुकाबलों के लिए तैयारी के दौरान कम अनुभव मिलने पर अफसोस जताया और टोक्यो खेलों से पहले मिली सहयोग प्रणाली से तुलना की। उन्होंने कहा, टोक्यो

ओलंपिक से पहले हमारे पास अच्छे अंतरराष्ट्रीय शिविर थे। मैं ट्रेनिंग के लिए अंतरराष्ट्रीय स्परिंग जोड़ीदार के लिए अनुरोध करती थी लेकिन पेरिस ओलंपिक से पहले मुझे बहुत कम प्रतियोगिताएं और बहुत कम अंतरराष्ट्रीय शिविर का मौका मिला।

लवलीना ने कहा, अच्छे जोड़ीदार के बिना मैं खुद को कैसे बेहतर बना सकती हूं? पेरिस ओलंपिक में भी मैं अकेली थी। मुझे खुद को बार-बार साबित करना पड़ता है। और सभी जानते हैं कि खेल में मानसिक शक्ति उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी शारीरिक शक्ति। उन्होंने कहा, फिर भी अपने देश के लिए सब कुछ देने के बाद भी मुझे हमेशा वह ट्रेनिंग या कोच नहीं मिलता जो मुझे सच में चाहिए। मैं हर लड़ाई में अकेले ही मुश्किलों का सामना करती हूं। मुझे बताओ... क्या यह सही है कि मैं हमेशा अपना सिर झुकाए रखूं, सब कुछ होने के बावजूद चुपचाप ट्रेनिंग करती रहूं?''

लवलीना ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह मौजूदा कोच की आलोचना नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं मौजूदा कोच और टीम के सदस्यों को दोष नहीं दे रही। उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया है और मेरी मदद करने की कोशिश की है। लेकिन हां... कुछ नया सीखने में हमेशा थोड़ा और समय लगता है।

इस साल लवलीना ने अनुरोध किया था कि राष्ट्रीय शिविर में उनके निजी कोच को शामिल किया जाए और यूरोप में ट्रेनिंग का मौका दिया जाए लेकिन दोनों अनुरोध खारिज कर दिए गए।

सुविचार

साहस का मतलब है कि
आप हार मानने से पहले
एक बार और कोशिश करें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एआई के युग में रोचक शिक्षण

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 81 शिक्षकों को उनकी अनूठी शिक्षण पद्धतियों के लिए राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित कर शिक्षण के क्षेत्र में रोचक प्रयोगों को प्रोत्साहन दिया है। आज देश को ऐसी शिक्षण पद्धतियों की सख्त जरूरत है। पाठ्यक्रम में ज्ञान के साथ रोचकता का समावेश होना चाहिए। किसी भी विषय के पाठ्यक्रम को तैयार करने और उसे कक्षा में पढ़ाने के लिए विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को ध्यान में रखना चाहिए। पाठ्यक्रम कितना ही विद्वतापूर्ण क्यों न हो, अगर उसे पढ़ाने का तरीका रोचक नहीं है तो विद्यार्थी उसे उचित मात्रा में ग्रहण नहीं कर पाएंगे। हम सबने कभी-न-कभी ऐसे किस्से जरूर सुने होंगे कि फलां शिक्षक महोदय की कक्षा में सबको नींद आने लगती थी! जब रोचकता का अभाव होता है तो ऐसा ही होता है। अच्छा शिक्षक वह होता है, जो अपने विषय को रोचक तरीके से पढ़ाना जानता है। बेशक शिक्षक के लिए अपने विषय का विद्वान होना अनिवार्य है। अगर वह उसे पढ़ाने के लिए रोचक तौर-तरीके भी ढूंढ़ ले तो विद्यार्थियों के लिए बहुत आसानी हो जाती है। गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, हिंदी, सामाजिक विज्ञान, संस्कृत, कंप्यूटर विज्ञान, विभिन्न भाषाओं समेत सभी विषयों को रोचक बनाया जा सकता है। जब विद्यार्थी किसी विषय में कम अंक प्राप्त करते हैं और उनसे इसकी वजह पूछी जाती है, तो ज्यादातर के जवाब कुछ ऐसे होते हैं- 'कक्षा में कुछ समझ में नहीं आता, पढ़ाई में आनंद नहीं आता, किताब खोलकर देखने का मन नहीं करता, इस विषय से डर लगता है, सबकुछ दिमाग के ऊपर से निकल जाता है, काश कि यह विषय थोड़ा आसान होता, ऐसा लगता है कि विद्वान लेखकों ने यह किताब हमारे लिए नहीं, बल्कि अपने लिए लिखी है!'

आज इंटरनेट ने शिक्षण में रोचकता के दरवाजे खोल दिए हैं। इससे शिक्षकों को एक-दूसरे के अनुभवों को जानने और सीखने के अवसर मिलते हैं। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐसे शिक्षक पढ़ा रहे हैं, जो खेल-खेल में विद्यार्थियों को अपने विषय की जानकारी दे देते हैं। उनके वीडियो अन्य लोग भी देखते हैं और टिप्पणियां करते हैं कि 'हमें ऐसे शिक्षक मिले होते तो पढ़ाई का अनुभव कुछ और होता ... हमारे लिए पढ़ाई किसी सज़ा से कम नहीं थी!' इस देश में ऐसे हजारों शिक्षक हैं, जिन्हें कोई राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार तो नहीं मिला, लेकिन उनकी रोचक शिक्षण पद्धतियां विद्यार्थियों द्वारा बहुत पसंद की जाती हैं। वे अपने कर्तव्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनके (पूर्व) विद्यार्थी पढ़ाई या रोजगार के सिलसिले में अन्यत्र चले जाने पर भी उन्हें याद करते हैं। राजस्थान में जयपुर के इंडिया इंटरनेशनल स्कूल की अंग्रेजी की शिक्षिका नेहा एस. कुमार का नाम भी इनमें शामिल किया जा सकता है, जिनकी रोचक शिक्षण विधियां अनूठी हैं। इसी तरह, झुंझुनूं जिले के कोलसिया गांव निवासी शिक्षक श्रवण कुमार खेदड़ ने गणित और रसायन विज्ञान पढ़ाने के लिए ऐसे रोचक सूत्र तैयार किए, जो ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। इन दिनों शिक्षण में एआई को लेकर खूब चर्चा हो रही है। ऐसे कयास भी लगाए जा रहे हैं कि भविष्य में शिक्षक की जगह एआई ले सकती है। इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि एआई के पास विभिन्न विषयों से संबंधित जानकारी का भंडार है। यह समय के साथ उन्नति करती जाएगी, लेकिन एक अच्छा शिक्षक जो पढ़ा और सिखा सकता है, वह एआई के बस की बात नहीं है। जीवन में अनुशासन, सकारात्मक सोच और चुनौतियों को स्वीकार कर आगे बढ़ने का हौसला एक शिक्षक ही दे सकता है, एआई नहीं। दुनिया में अच्छे शिक्षकों की जरूरत हमेशा रहेगी।

ट्वीटर टॉक

उत्तराखंड में भीषण बाढ़ से उत्पन्न विकट स्थिति तथा उससे हुई जन-धन की क्षति अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। इस कठिन घड़ी में प्रभावित जनों की सहायता के उद्देश्य से राजस्थान सरकार द्वारा तात्कालिक राहत में सहयोग हेतु 5 करोड़ रुपये की राशि प्रेषित की गई है।

-भजनलाल शर्मा

सिखों के तृतीय गुरु श्री गुरु अमरदास जी के ज्योति-ज्योत दिवस पर कोटिशः नमन। गुरु साहिब ने अंधविश्वास, सामाजिक असमानताओं से जकड़े समाज को सत्य, सेवा और समानता की ओर अग्रसर किया। सामाजिक समरसता और मानव सेवा को समर्पित उनका जीवन सदैव प्रेरक रहेगा।

-ओम बिरला

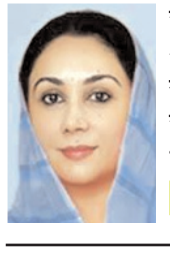

राजस्थान के बाड़मेर की बेटी सुश्री सुशीला खोथ को अंडर-18 एशिया कप रग्बी फुटबॉल के लिए भारतीय टीम में चयनित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हम सभी प्रतियोगिता में आपके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

सदाचार से धर्म मार्ग

एक बार आयुर्वेद की कक्षा में शिष्य ने गुरुजी से पूछा, 'गुरुदेव! मन को शुद्ध रखने और धर्म पालन का उपाय क्या है? क्या केवल पूजा-पाठ से ही यह प्राप्ति हो सकती है?' गुरुजी ने उत्तर दिया, 'वत्स! मात्र पूजा-पाठ से धर्म की पूर्णता नहीं होती। इसके लिए स्वयं को पापकर्मों से मुक्त रखना आवश्यक है। धर्म का आधार सदाचार है।' शिष्य ने पूछा, 'गुरुदेव! पापकर्म क्या होते हैं?' गुरुजी ने अष्टाङ्गहृदय का संदर्भ देते हुए कहा, 'वाग्भट्ट ने स्पष्ट किया है कि मनुष्य तक पाप तीन मार्गों से पहुंचते हैं शरीर, वाणी और मन से। शरीर से होने वाले पाप हैंहिंसा करना, प्राणियों का अनावश्यक वध करना, चोरी करना और निषिद्ध स्त्रियों या परस्त्रीगमन करना। ये सब आत्मा को कलुषित करते हैं। वाणी से होने वाले पाप हैंचुगली करना, कठोर और अपमानजनक बोलना, असत्य बोलना और व्यर्थ बात करना। जैसे जिह्वा असंयमित हो तो वह अग्नि की भांति सब कुछ जलाती है। मानसिक पाप हैंदूसरों के लिए हिंसा की भावना रखना, ईर्ष्या करना, उनके गुण सहन न कर पाना, इंद्रियों से विषयों की अनियंत्रित इच्छा रखना और शास्त्र सम्मत सत्य दृष्टि के विपरीत सोचना।

सामयिक

भारत का 'डिजिटल डायमंड' : वैश्विक ताकत का नया प्रतीक

हरीश शिवनानी
मोबाइल: 9829210036

बात इसी 15 अगस्त की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से एलान किया कि भारत का पहला 'मेड इन इंडिया' सेमीकंडक्टर चिप इसी साल के अंत तक बाजार में आ जाएगा। इस एलान को अभी बमुश्किल एक पखवाड़ा ही बीता कि भारत के वैज्ञानिकों ने दो सितंबर को अपनी पहली पूरी तरह स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर 'चिप विक्रम' लॉन्च करके एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली। ऐतिहासिक इसलिए कि यह महज एक छोटी चिप मात्र नहीं है बल्कि निकट भविष्य में ही भारत को एक वैश्विक शक्ति बनाने का मुख्य स्रोत है, क्योंकि आने वाली दुनिया की दशा और दिशा को सेमीकंडक्टर चिप्स ही संचालित करेगी। इसलिए यह अकारण नहीं कि मोदी ने इस नन्ही चिप को 'डिजिटल डायमंड' घोषित किया है। इस चिप को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो की सेमीकंडक्टर लैब ने विकसित किया है। इसे विशेष रूप से अंतरिक्ष मिशनों और रॉकेट लॉन्च की कठिन परिस्थितियों का सामना करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये चिप्स न केवल भारतीय उद्योग जगत का नक्शा बदल देंगी अपितु युद्ध तकनीकी को भी सातवें आसमान पर पहुंचा देंगी। 'डिजिटल डायमंड' भारत की वैश्विक ताकत होने का नया प्रतीक है।

वर्तमान में सबसे छोटी साइज की सेमीकंडक्टर चिप 2 नैनोमीटर की है। इसे ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी द्वारा बनाई जा रही है। हालांकि 2 नैनोमीटर नैनोशीट तकनीक पर आधारित दुनिया की पहली चिप का प्रोटोटाइप आईबीएम ने तैयार किया। यह चिप 50 बिलियन ट्रांजिस्टर को एक नाखून के आकार के चिप में समेट सकती है और यह आज की 7 नैनोमीटर चिप्स की तुलना में 45 प्रतिशत से अधिक प्रदर्शन और 75 फीसदी कम ऊर्जा खर्च करती है।

भविष्य के युद्ध तोप और टैंकों से नहीं, इन्हीं माइक्रोचिप्स से लड़े जाएंगे। माइक्रोचिप्स आधुनिक तकनीक का आधार हैं। स्मार्टफोन से लेकर मिसाइलों तक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से लेकर ड्रोन तक, हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार 2025 में 600 अरब डॉलर का हो चुका है और 2030 तक इसके 1,000 अरब डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है। यही सेमीकंडक्टर उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था को दुनिया में और ऊंचे स्थान पर ले जाएगा। यही वजह है कि चिप निर्माण के इको सिस्टम को और मजबूत बनाने के लिए सरकार इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आइएसएम) के दूसरे चरण के लिए काम कर रही है। इसके तहत स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या अब 10 हो गई है, जिनमें छह राज्यों में चिप से जुड़े पूरे इको सिस्टम को कवर किया जाएगा और इंसेंटिव भी दिए जाएंगे। पहले चरण के तहत भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर से जुड़े प्लांट को 75,000 करोड़ से अधिक के इंसेंटिव देने का प्रविधान किया था। इनमें से 65,000 करोड़ चिप के निर्माण तो 10,000 करोड़ मोहाली स्थित सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला के आधुनिकीकरण के लिए आवंटित किए गए। इन यूनिटों में आटो सेक्टर से लेकर बिजली, इलेक्ट्रानिक्स, उपभोक्ता वस्तु व रक्षा सभी जगह पर इस्तेमाल होने वाले चिप का निर्माण होगा। फ़िलहाल 28 स्टार्टअप चिप डिजाइनिंग के सेक्टर में काम कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मांग के आधार पर इनको पूरा प्रोत्साहन भी मिल रहा है। चिप निर्माण एक बेहद जटिल प्रक्रिया है। चिप निर्माण में 500 केमिकल्स और 50 प्रकार की गैसों का उपयोग होता है और इन सभी के निर्माण के लिए भारत में फैक्ट्रियां लगाई जा रही हैं। भविष्य में चिप निर्माण से जुड़ी मशीनें भी भारत में बनेंगी। अभी विक्रम 3201 की साइज़ तुलनात्मक रूप से काफी बड़ी कही जा सकती है लेकिन यह चिप आम जनता के लिए नहीं, अंतरिक्ष यानों और रक्षा संबंधी उपकरणों के प्रयोजन की है।

वर्तमान में सबसे छोटी साइज की सेमीकंडक्टर चिप 2 नैनोमीटर की है। इसे ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी द्वारा बनाई जा रही है। हालांकि 2 नैनोमीटर नैनोशीट तकनीक पर आधारित दुनिया की पहली चिप का प्रोटोटाइप आईबीएम ने तैयार किया। यह चिप 50 बिलियन ट्रांजिस्टर को एक नाखून के आकार के चिप में समेट सकती है और यह आज की 7 नैनोमीटर चिप्स की तुलना में 45 प्रतिशत से अधिक प्रदर्शन और 75 फीसदी कम ऊर्जा खर्च करती है। भारत में भी छोटी चिप्स के विकास की दिशा में प्रगति हो रही है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बेंगलूरु एंग्स्ट्रॉम-स्केल (लगभग 0.1 नैनोमीटर) चिप विकसित करने पर काम कर रहा है, जो मौजूदा 2 नैनोमीटर चिप्स से भी 10 गुना छोटी होगी। यह परियोजना अभी प्रारंभिक चरण में है। भारत में ही रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स (जापान) नोएडा और बेंगलूरु में 3 नैनोमीटर चिप डिजाइन पर काम कर रही है। इस प्रकार, चिप निर्माण का पूरा इको सिस्टम हजारों रोजगार के अवसर पैदा करेगा और दुनिया को कुशल श्रमिकों की सप्लाई करेगा। बावजूद इसके, अभी भारत को बहुत लंबा सफ़र तय करना है। क्योंकि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग पर ताइवान, अमेरिका, दक्षिण कोरिया, चीन और जापान का वर्चस्व है। भारत अभी इस दौड़ में नया है और उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी मात्र 0.1 फीसदी है। भविष्य के लिए भारत की योजनाएँ बहुत महत्वाकांक्षी हैं, जिसमें 2030 तक अपने बाजार को 100 बिलियन डॉलर तक पहुँचाना और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभरना शामिल है। अब सरकारी समर्थन और बड़े पैमाने पर निवेश से भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र के तेजी से विकास की उम्मीद बंधी है। भारत में इंजीनियरिंग, विज्ञान और गणित में हर वर्ष 25 लाख से अधिक युवा ग्रेजुएट होते हैं जोकि किसी अन्य देश की तुलना में काफी अधिक है। जाहिर है,ये युवा हो 'डिजिटल डायमंड' के माध्यम से भारत को वैश्विक शक्ति बनाने का दम रखते हैं।

मुद्दा

डिजिटल युग में साक्षरता और विकास के मायने

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

साक्षरता या शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए हर साल 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के रूप में मनाया जाता है। साक्षरता दिवस 2025 की थीम डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना है। यह थीम डिजिटल तकनीक के इस दौर में साक्षरता के महत्व को दर्शाता है, जहां प्रौद्योगिकी हमारे सीखने, काम करने, और संवाद करने के तरीके को बदल रही है। बच्चों को केवल स्कूल भेजना काफी नहीं है, बल्कि उन्हें डिजिटल रूप से सक्षम बनाना भी जरूरी है। साक्षरता और विकास का निकट का सम्बन्ध है तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होंगी। 8 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाने की घोषणा 17 नवम्बर 1965 को सयुक्त राष्ट्र संघ के शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन द्वारा की गई। हर साल साक्षरता दिवस को एक नई थीम और लक्ष्य निर्धारित कर मनाया जाता हैं। साक्षरता दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि क्या हम साक्षरता को सिर्फ किताबों तक सीमित मान रहे हैं, क्या हम बच्चों और युवाओं को डिजिटल युग में आत्मनिर्भर बनने लायक तैयार कर पा रहे हैं, और क्या हमारी नीतियां हर तबके तक पहुंच पा रही हैं।

आज भी दुनिया में 73.9 करोड़ युवा और वयस्क निरक्षर हैं। नई वैश्विक रैंक के मुताबिक सात देशों ने पूर्ण साक्षरता हासिल कर ली है, जबकि अमेरिका लगभग 99 प्रतिशत पर स्थिर है। यूक्रेन, उज़्बेकिस्तान, नॉर्थ कोरिया सम्पूर्ण साक्षर हो गया है। उच्च साक्षरता दर वाले देशों में फिनलैंड, नॉर्वे भी हैं, यहां भी 100 प्रतिशत साक्षरता दर है। एंडोरा, लक्जमबर्ग और लिकटेंस्टीन जैसे देश में भी साक्षरता दर 100 फीसदी है। इन देशों में मजबूत शिक्षा प्रणाली, मुफ्त शिक्षा, और उच्च जीवन स्तर साक्षरता को बढ़ावा देते हैं. अन्य देश जैसे डेनमार्क, स्वीडन, और जर्मनी भी 99 प्रतिशत से अधिक साक्षरता दर है। भारत ने साक्षरता दर में उल्लेखनीय प्रगति की है। 1951 में जहां साक्षरता दर केवल 18.3 प्रतिशत थी, वहीं 2025 तक इसके 81 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। देश में 37 सालों से छिड़ी साक्षरता की मुहिम के बावजूद 20 प्रतिशत लोग आज भी असाक्षर है। हालांकि मिजोरम और गोवा जैसे छोटे राज्यों ने पूर्ण साक्षरता का दर्जा हासिल एक नई अलख जगाई है। सरकारी उम्मीद है 2030 तक देश सम्पर्ण साक्षर हो जायेगा। देश में साक्षरता का मुहिम मई 1988 में शुरू हुई थी।सरकारी उम्मीद है 2030 तक देश सम्पर्ण साक्षर हो जायेगा। देश में साक्षरता का मुहिम मई 1988 में शुरू हुई थी। संसद में बताया गया कि देश की साक्षरता दर 80.9 प्रतिशत है और सरकार 100 प्रतिशत साक्षरता का लक्ष्य लेकर चल रही है। यूनेस्को के मुताबिक दुनिया में सबसे ज्यादा अनपढ़ लोग भारत में हैं। एक प्रगतिशील समाज में निरक्षरता को अभिशाप समझा जाता है। गरिमामयी तथा उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने के लिए व्यक्ति को कम से कम साक्षर होना बहुत जरूरी है।

देश-दुनिया से गरीबी को जड़मूल से हटाने, आबादी के विस्फोट को रोकने के साथ जन जन तक लोक कल्याणकारी कार्यों को पहुँचाने के लिए यह बहुत जरूरी है की प्रत्येक व्यक्ति साक्षर हो। साक्षरता केवल शिक्षा का उजाला ही नहीं फैलाता अपितु मानव के सुखमय जीवन का मार्ग भी प्रशस्ति करता है। शिक्षा मानव के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भागीदारी निभाता है। यह किसी देश को तरक्की और विकास के रास्ते पर ले जाने की बुनियाद है। साक्षरता के साथ ज्ञान एवं कौशल विकास भी जरूरी है। साक्षरता और कौशल विकास का चोली दामन का साथ है। साक्षरता की सफलता रोजगार से जुडी है। हम साक्षर व्यक्ति को रोजी रोटी की सुविधा सुलभ करा कर देश से निरक्षरता के अँधेरे को भगा सकते है। हालाँकि केंद्र और राज्य सरकारें विभिन्न स्तरों पर कौशल विकास के कार्यक्रम संचालित कर रही है मगर जब तक ऐसे व्यक्ति अपने पैरों पर खड़े नहीं होंगे तब तक साक्षरता अभियान को पूर्ण रूप से सफल नहीं माना जा सकता।

साक्षरता का मतलब केवल पढ़ना-लिखना या शिक्षित होना ही नहीं है। यह लोगों में उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता लाकर सामाजिक विकास का आधार बन सकती है। इसका सामाजिक एवं आर्थिक विकास से गहरा संबंध है। साक्षरता का कौशल मानव में आत्मविश्वास का संचार करता है। गरीबी उन्मूलन में इसका महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। महिलाओं एवं पुरुषों के बीच समानता के लिए जरूरी है कि महिलाएं भी साक्षर बनें। जीने के लिये खाने की तरह ही साक्षरता भी महत्वपूर्ण है। साक्षरता में वो क्षमता है जो परिवार और देश की प्रतिष्ठा को बढ़ा सकता है। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाने का उद्देश्य व्यक्ति, समुदाय तथा समाज के हर वर्ग को साक्षरता का महत्व बताकर उन्हें साक्षर करना है।

नजरिया

पेयजल की कमी से मचेगा हाहाकार !

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009415415

सामान्य तौर पर देखेंगे तो जल की उपलब्धता को लेकर कोई विशेष संकट नजर नहीं आता है। किंतु वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। पृथ्वी की सतह का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से आच्छादित है। पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का 97प्रतिशत समुद्र खारा पानी है, जो उपयोग के योग्य नहीं है। अतः मात्र 3प्रतिशत जल ही पीने के योग्य है, इससे भी कम जल नदी, तालाब, झीलों भूगर्भीय जल के रूप में मनुष्य व अन्य जीवों के पीने के योग्य मीठे पानी के रूप में उपलब्ध है, परिणामतः पीने योग्य जल का संकट और गहराता जा रहा है।

यदि मानव सभ्यता के इतिहास को खंगाले तो यह तथ्य सामने आता है कि बड़ी-बड़ी सभ्यता एवं संस्कृतियाँ नदी, घाटियों में विकसित और फलित हुई है। जल अपने स्वरूप में निर्मलता धारण किए हुए पवित्रता का प्रतीक है, लेकिन इसकी क्रमिक रूप से घटती मात्रा में जल संकट अस्तित्व को खतरा उत्पन्न कर दिया है। जल अब राज्यों तथा विभिन्न देशों के मध्य बड़े विवाद का कारण बनता जा रहा है। जल मनुष्य के जीवन का अत्यंत आवश्यक स्वरूप है। जल के बिना कल नहीं है और जल ही जीवन कहलाता है। ऐसे में जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। जल का विवाद सिर्फ गांव तहसील के जिलों में नहीं बल्कि राज्य और देशों के बीच भी गहराता जा रहा है। इसका बहुत बड़ा उदाहरण कावेरी, मांडवी जैसे अंतरराष्ट्रीय नदियों गंगा, ब्रह्मपुत्र में नील, सतलज जैसी अंतरराष्ट्रीय नदियां हैं। वैश्विक जल संकट से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, अफ्रीकी देशों में एक बड़ी आबादी जला भाव के कारण काल कब रीत हो रही है। जल संकट की यह समस्या और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप धारण कर चुकी है एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसकी मांग उठाई जा रही है। पृथ्वी पर पीने की योग्य जल की उपलब्धता घटती जा रही है वहीं विकास एवं औद्योगिकरण की प्रक्रिया में जल का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। मानव के जल दोहन का बेतरतीब उपयोग जल चक्र के संतुलन को नष्ट कर रहा है। प्रकृति में मानव के हस्तक्षेप के कारण ही ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई से ताजे जल के संकट को कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। शहरों में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता का स्तर निरंतर कम होते जा रहा है। इसका सबसे सर्वोत्तम उदाहरण दक्षिण अफ्रीकी शहर कैपटाउन एवं भारत के बंगलुरु शहरों में असीमित जनसंख्या के दबाव में लहराते जल संकट के कारण इन शहरों में यानी नो वाटर सप्लाई दिवस तक की नौबत आ गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रकाशित जल विकास रिपोर्ट 2018 में पीने योग्य जल की घटती उपलब्धता एवं गहराता संकट को लेकर महायुद्ध की संभावनाओं का खुलासा किया है। जल संकट को लेकर अगले महा युद्ध की संभावनाओं को यदि टटोलने तो यह बात सत्य प्रतीत होती है जिसमें एक तरफ जलाभाव वाले देश का होगें तथा दूसरा पक्ष जलाधिक्य वाले देशों की होगी। जल के निरंतर गिरते स्तर को लेकर ऐसी विकराल स्थितियां उत्पन्न हो सकती है जिसके कारण मानवता तार-तार हो जाएगी और जल का उपयोग करने वाले जैविक जीवन का स्थिति समाप्त हो जाएगा। अतः यह उचित होगा कि समय रहते हम इस संकट को भाप लें एवं जल जैसे हम उन संसाधन के संरक्षण को लेकर युद्ध स्तर पर उचित कदम उठाएं। यूनाइटेड नेशंस वाटर अभियान के माध्यम से जल संकट से विश्व को अवगत करवाते हुए जल संकट के संबंध में आमजन को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है। दूसरी तरफ प्रसिद्ध पेप-सौंशीपाशपींरश्र ऑर्गेनाइजेशन जल संकट से विश्व को अवगत कराते हुए जल संरक्षण के संबंध में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। आवश्यकता से अधिक जल प्रयोग करने से धरती का जलस्तर कृषकों की पहुंच से परे होता जा रहा है। वैश्वीकरण व उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रेरित अंधाधुंध विकास की दौड़ में जल स्रोतों को प्रदूषित कर मानव समाज ने स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया है। बढ़ती जनसंख्या भी वैश्विक जल संकट का एक बड़ा कारण है। यदि जनसंख्या की वृद्धि की रफ्तार से होती रही तो अगले दशक में वैश्विक जनसंख्या में वृद्धि की दर से 25 प्रतिशत जनसंख्या को प्रयोग जितना ही पानी उपलब्ध हो पाएगा। यह भयानक जल संकट तथा वैश्विक खतरे की ओर इंगित करता है।

वैश्विक स्तर पर जल विवाद लगातार होते रहते हैं मध्य एशिया में कैस्पियन सागर के जल बंटवारे संबंधी विवाद का समाधान तटवर्ती देशों द्वारा संधि के माध्यम से किया गया है। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो स्थिति और भी जटिल होती जा रही है देश की जनसंख्या तो विश्व की जनसंख्या का लगभग 17.5 प्रतिशत है, लेकिन ताजे जल की उपलब्धता 1 प्रतिशत से भी कम है। राजस्थान में स्थिति जल संकट की बड़ी भयावह है वहां जल की उपलब्धता 1 प्रतिशत से भी बहुत नीचे जल संकट वहां की नियति बन गई है। 2040 तक भारत के तीन चौथाई शहरों को जल संकट से जूझना होगा। अब हमारा दायित्व तथा कर्तव्य होगा कि समाज को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें एवं जल संरक्षण से संबंधित विधि तथा तकनीक से परिचित कराएं एवं उसका समुचित उपयोग करें। व्यक्ति स्वयं जल का संरक्षण करें तथा दूसरों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें ताकि हम आने वाले कल के लिए जल संकट रूपी विकराल एवं जनता हर समस्या का सामना आसानी से कर पाएं। जल संकट के महाविनाश से यदि बचना है तो जल संरक्षण हर नागरिक को एक कर्तव्य की तरह करना होगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दुबई में स्थापित 'बी स्कूल' विद्यार्थियों को सात देशों में व्यापारिक पाठ्यक्रम पूरा कराता है

दुबई/भाषा। दुबई में 'ई-कॉमर्स' व्यवसाय, भारत में 'डी2सी ब्रांड, सिंगापुर और मलेशिया में 'किकस्टार्टर' तथा घाना, अमेरिका, अर्जेंटीना और यूरोप में व्यवसाय स्थापित करना --- यह किसी व्यवसायी की इच्छा सूची नहीं है, बल्कि यहां के 'टेट्र कॉलेज ऑफ बिजनेस' में चार-वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत भारतीय उद्यमी प्रथम मित्तल द्वारा स्थापित इस बी-स्कूल ने इस सप्ताह अपने विद्यार्थियों के दूसरे समूह का स्वागत किया। इस व्यापार प्रबंधन संस्थान के 110 विद्यार्थियों के पहले समूह ने दुबई और भारत में 44 उद्यम स्थापित किए, जिनसे 300,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ। 'सर्वक्लब (पिकलबॉल उपकरण)' और 'कॉसमॉस (समुद्री शैवाल आधारित सप्लीमेंट्स)' जैसे 'स्टार्टअप्स' ने बड़े निवेशकों से 'एंजेल फंडिंग' जुटाई।

'टेट्र' का प्रमुख चार वर्षीय प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी स्नातक कार्यक्रम, शिक्षार्थियों को भारत, दुबई, सिंगापुर, मलेशिया, घाना, अमेरिका, अर्जेंटीना और यूरोप ले जाता है तथा वास्तविक दुनिया की उद्यमिता एवं शैक्षणिक बातों को विद्यार्थियों के सम्मुख लाता है।वैसे तो विद्यार्थियों को ब्रिटेन के 'मिडलसेक्स' विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त होती है, लेकिन इस कार्यक्रम का आधार दुबई में है।

मित्तल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, यह एक स्नातक कार्यक्रम है, जहां हम परीक्षा, व्याख्यान, स्लाइड, ग्रेड, उपस्थिति और किताबों से आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। ये बातें आमतौर पर विद्यार्थी करते हैं। हर सेमेस्टर में, पूरे दिन कक्षाओं में बैठकर परीक्षा देने के बजाय, विद्यार्थियों को हर सेमेस्टर में एक अलग देश में एक व्यवसाय शुरू करना होता है। उन्होंने कहा, इसलिए, उन्हें दुबई में एक ई-कॉमर्स व्यवसाय शुरू करना होगा। इसके बाद, वे भारत जाएंगे जहां वे एक डी2सी ब्रांड बनाएंगे। फिर वे सिंगापुर जाएंगे जहां उन्हें वास्तव में एक किकस्टार्टर बनाना होगा।

उत्सव

नेपाल के काठमांडू में 6 सितंबर, 2025 को इंद्र जात्रा उत्सव के दौरान भगवान गणेश के रूप में पूजे जाने वाले एक बालक की तस्वीर। वर्षा के देवता इंद्र के सम्मान में 4 सितंबर को शुरू हुआ यह आठ दिवसीय उत्सव।

मलयालम फिल्मकार सनल कुमार शशिधरन को मुंबई हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया

कोच्चि/भाषा

मलयालम फिल्मकार सनल कुमार शशिधरन को रविवार को मुंबई हवाई अड्डे पर हिरासत में ले लिया गया। यह कार्रवाई केरल पुलिस द्वारा एक अभिनेत्री की उत्पीड़न शिकायत से संबंधित मामले में जारी 'लुकआउट' नोटिस के आधार पर की गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शशिधरन ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि वह मुंबई हवाई अड्डा पहुंच गए हैं, लेकिन उन्हें हिरासत में ले लिया गया। इस घटना की पुष्टि करते हुए, एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कोच्चि सिटी पुलिस मुंबई हवाई अड्डे के अधिकारियों के संपर्क में है। इस साल जनवरी में, एलामक्कारा पुलिस ने एक मलयालम अभिनेत्री को सोशल मीडिया पर परेशान करने के आरोप में शशिधरन के खिलाफ मामला दर्ज किया था। हालांकि, जब पुलिस ने शशिधरन के खिलाफ मामला दर्ज किया, तब वह अमेरिका में थे। इसके बाद, पुलिस ने उन्हें भारत आने पर हिरासत में लेने के लिए 'लुकआउट सर्कुलर' जारी किया।

उन्होंने पोस्ट में कहा, कोच्चि सिटी पुलिस द्वारा जारी लुकआउट नोटिस के तहत मुझे हिरासत में लिया गया है। मुझे विश्वास है कि केरल पुलिस और कम्युनिस्ट पार्टी मेरे साथ कानून के अनुसार ही व्यवहार करेंगे। मुझे अपने खिलाफ दर्ज मामले के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

कोच्चि सिटी पुलिस को यह जानकारी मिली है कि शशिधरन को मुंबई एयरपोर्ट पर हिरासत में लिया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा,हम हवाई अड्डा अधिकारियों के संपर्क में हैं। पुष्टि होने के बाद, शशिधरन को हिरासत में लेने के लिए पुलिस की एक टीम मुंबई भेजी जाएगी। पुलिस के अनुसार, इससे पहले 2022 में शशिधरन को उसी अभिनेत्री का ऑनलाइन पीछा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, बाद में अलुवा के प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट ने उन्हें जमानत दे दी थी।

भारत के उपराष्ट्रपति को भत्ते तो मिलते हैं, लेकिन नियमित वेतन नहीं

नई दिल्ली/भाषा। भारत के उपराष्ट्रपति का पद संभवत: एकमात्र ऐसा पद है जिसे नियमित वेतन का लाभ नहीं मिलता है। देश में दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद उपराष्ट्रपति को संसद के ऊपरी सदन, राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में अपनी भूमिका के लिए वेतन मिलता है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन और विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की ओर से उम्मीदवार पी सुदर्शन रेड्डी नौ सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मैदान में हैं। यह चुनाव 21 जुलाई को जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफे के कारण आवश्यक हो गया है। उपराष्ट्रपति का वेतन और भत्ते संसद अधिकारियों के वेतन और भत्ते अधिनियम, 1953 के तहत निर्धारित किए जाते हैं। अधिकारियों ने बताया, उपराष्ट्रपति के लिए किसी विशिष्ट वेतन का प्रावधान नहीं है; इसके बजाय, उन्हें राज्यसभा के सभापति के रूप में उनकी भूमिका के अनुरूप पारिश्रमिक और लाभ मिलते हैं।

उपराष्ट्रपति, कार्यवाहक राष्ट्रपति की भूमिका में कार्यभार संभालने पर, भारत के राष्ट्रपति का वेतन पाने के हकदार होते हैं। ऐसी स्थिति में, उपराष्ट्रपति राज्यसभा के सभापति नहीं रह जाते। राज्यसभा के सभापति को चार लाख रुपए प्रति माह वेतन मिलता है। उपराष्ट्रपति को कई सुविधाएं और भत्ते मिलते हैं, जैसे नि:शुल्क आवास, चिकित्सा देखभाल, रेल और हवाई यात्रा, लैंडलाइन कनेक्शन, मोबाइल फोन सेवा, व्यक्तिगत सुरक्षा और कर्मचारी।

भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग: सुरंग बनाने वाली मशीन के दो ऑपरेटर ने दुरूह कार्य को पूरा कर दिखाया

नई दिल्ली/भाषा। उत्तराखंड में देवप्रयाग और जनासू के बीच 14.57 किलोमीटर लंबी भारत की सर्वाधिक लंबी रेल सुरंग का निर्माण कार्य पूरा करने में कई कठिन चुनौतियों से गुजरना पड़ा, लेकिन सुरंग बनाने वाली मशीन का संचालन करने वाले दो ऑपरेटर ने दिन-रात मेहनत करके दुर्गम पहाड़ी इलाकों को पार किया और परियोजना को समय से पहले पूरा कर लिया गया। यह सुरंग महत्वाकांक्षी 125 किलोमीटर लंबी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लिंक परियोजना का हिस्सा है, जिसे रेल मंत्रालय ने दिसंबर 2026 तक चालू करने का काम रेल विकास निगम लिमिटेड को सौंपा है। निर्माण कंपनी लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) में कार्यरत 44 वर्षीय टीबीएम ऑपरेटर बलजिंदर सिंह याद करते हुए कहा, वास्तव में यह एक रोलर कोस्टर की सवारी थी। उन्होंने बताया कि सबसे चुनौतीपूर्ण समय तब आया जब एक बड़े भूस्खलन के कारण सुरंग का रास्ता अवरुद्ध हो गया, जिससे उन्हें पहाड़ के अंदर सुरंग खोदने वाली मशीन को पूरी शक्ति से चलाना पड़ा।

सिंह ने कहा, हम सामान्यत: सुरंग खोदने वाली मशीन (टीबीएम) को 50,000 से 60,000 किलो न्यूटन बल पर संचालित करते हैं, लेकिन उस दौरान, जब यह अचानक भूस्खलन के कारण लगभग 3.5 किलोमीटर अंदर फंस गई, तो मुझे मलबा हटाने के लिए मशीन की पूरी शक्ति - 1.3 लाख किलो न्यूटन - लगानी पड़ी। उन्होंने कहा, स्थिति इतनी गंभीर थी कि ऐसा लग रहा था कि परियोजना को स्थगित करना पड़ सकता है। हमारे अनुभव और धैर्य के साथ-साथ 200 से ज़्यादा अनुभवी कर्मचारियों की पूरी टीम के तकनीकी और नैतिक समर्थन ने हमें इससे उबारा।

उनके सहयोगी एवं अन्य अनुभवी (टीबीएम ऑपरेटर) 52 वर्षीय राम अवतार सिंह राणा ने परियोजना को बचाने के लिए उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। राणा ने कहा, टीबीएम को कीचड़ से निकालने के लिए लगभग 10 दिन तक लगातार संघर्ष करना पड़ा, 12-12 घंटे की पालियों में काम करना पड़ा। जब हमने आखिरकार रुकावट को दूर कर दिया, तो यह पूरी टीम के लिए बहुत बड़ी राहत और खुशी का पल था। उन्होंने कहा, हमने शक्ति नामक जर्मन निर्मित एक टीबीएम का संचालन किया, इसे बिना रुके घुमाया, क्योंकि उस दौरान इसे एक पल के लिए भी रोकना आपदा का कारण बन सकता था।

उनके अनुसार, सामान्य परिचालन के दौरान भी, उन्होंने टीबीएम को केवल थोड़े समय के लिए आराम दिया और निर्धारित समय से 12 दिन पहले 16 अप्रैल, 2025 को 14.57 किलोमीटर रेल सुरंग को पूरा करने के लिए लगभग 24 घंटे सातों दिन काम किया।

एल एंड टी के अधिकारियों ने कहा कि हिमालयी क्षेत्र में किसी रेलवे परियोजना के लिए यह पहली बार था जब टीबीएम का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि इससे पहले ऐसी मशीनों का इस्तेमाल पहाड़ों में जलविद्युत सुरंगों के लिए किया जाता था।

सिंह इस परियोजना में टीबीएम संचालन का 22 वर्षों का अनुभव लेकर आए, जिसमें से अधिकांश अनुभव जम्मू और कश्मीर जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में था, वहीं राणा ने भी मुंबई और अन्य चुनौतीपूर्ण माहौल में मेट्रो सुरंग परियोजनाओं पर बड़े पैमाने पर काम किया है।

सिंह ने कहा कि सुरंग में टीबीएम का संचालन आसान नहीं है, क्योंकि ऑपरेटर अज्ञात क्षेत्र में रास्ता दिखाता है, जबकि पूरी इंजीनियरिंग टीम उसके रास्ते पर चलती है। सिंह और राणा ने जहां अपलाइन सुरंग पूरी की, वहीं दूसरी टीम - चंद्रभान भगत और संदीप मिश्रा - ने 13.09 किलोमीटर लंबी डाउनलाइन सुरंग पर काम किया, जो 25 मीटर की दूरी पर समानांतर चल रही थी।

अभिनेता बिन्नू ढिल्लों ने बढ़ाया मदद का हाथ, बाढ़ प्रभावितों को दी राहत सामग्री

गुरदासपुर/एजेन्सी

पंजाब में बाढ़ ने तबाही मचा रखी है। वहां के जिले बाढ़ से प्रभावित हैं, जिसने 1,400 से अधिक गांवों को अपनी चपेट में ले लिया है और वहां लाखों लोग विस्थापित होने को मजबूर हुए हैं। बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए लोग आगे भी आ रहे हैं। अभिनेता बिन्नू ढिल्लों ने भी मदद का हाथ आगे बढ़ाते हुए पीड़ितों में राहत सामग्री बांटी है। साथ ही उन्होंने कहा कि मुश्किल की इस घड़ी में पूरी पंजाबी इंडस्ट्री उनके साथ खड़ी है। राज्यभर में बचाव अभियान जारी है। बाढ़ ने पंजाब के गुरदासपुर, अमृतसर, पठानकोट, कपूरथला, तरनतारन, फिरोजपुर, फाजिल्का, होशियारपुर, मोगा, संगरूर, बरनाला, पटियाला और मोहाली जिलों में काफी नुकसान पहुंचाया है। भारी बारिश के बीच रावी, व्यास और सतलुज जैसी नदियों के ऊपर बने बांधों से पानी छोड़े जाने के साथ-साथ नालों के उफान के कारण बाढ़ आई है। जिले गुरदासपुर के अंदर बाढ़ ने काफी तबाही मचाई है। बाढ़ पीड़ितों की हर कोई अपने-अपने तरीके से मदद कर रहा है। इसी बीच रविवार को अभिनेता बिन्नू ढिल्लों गुरदासपुर के गांव चिट्टी में पहुंचे। अभिनेता ने बाढ़ पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें राहत सामग्री दी।

अभिनेता बिन्नू ढिल्लों ने मीडिया से बात करते हुए कहा, इस मुश्किल घड़ी में हर किसी को एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। पंजाब जिस संकट से जूझ रहा है उसमें पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री ही नहीं, एनजीओ, सरकार और सभी लोग मदद के लिए आगे आए हैं। उनका दिल से धन्यवाद, यही असली पंजाब है जो मुसीबत की घड़ी में साथ खड़ा रहता है।

अभिनेत्री मौनी रॉय ने किए पशुपतिनाथ के दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री मौनी रॉय हाल ही में नेपाल गई थीं। यहां पर उन्होंने भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन किए। अपनी इस यात्रा की कुछ तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर करते हुए मौनी रॉय ने लिखा, पशुपतिनाथ! ना सम्मान का मोह, ना अपमान का भय। आपके दर्शन कर मैं खुद को धन्य महसूस कर रही हूं। तस्वीरों में मौनी रॉय भगवान के दर्शन करने के बाद काठमांडू की गलियों में शॉपिंग भी करती दिखाई दीं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने अब चार ज्योतिर्लिंगों की यात्रा संपन्न कर ली है। इससे पहले मौनी रॉय ने दक्षिण भारतीय अंदाज में सज-धज कर ओणम सेलिब्रेट किया था। इसकी तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की थीं। तस्वीरों में वह सुनहरे बॉर्डर वाली क्लासिक सफेद साड़ी और स्लीवलेस ब्लाउज में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। फोटो में उन्हें पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेते हुए भी देखा गया। फोटो शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा था, 'ओणम की शुभकामनाएं।'

एक इंटरव्यू मेंअभिनेत्री ने कहा था, शुरुआत में मुझे लोग डेट के लिए पूछते दिखाई देते थे। मगर कुछ लोग मुझे बदनाम करने के लिए एआई के जरिए मेरे चेहरे को किसी गलत इंसान पर लगातार पोस्ट करते दिखे। यह मुझे बहुत घिनौना लगा। उनके बारे में, मैं बस यही सोचती हूं कि ये लोग इतने बुरे कैसे हो सकते हैं। इनकी सोच कैसी है? वे इससे क्या हासिल करना चाहते हैं? उनका उद्देश्य क्या है? क्योंकि आप बस लोगों के शाप इकट्ठा कर रहे हैं। जो ऐसा कर रहा है, उसके लिए कोई भी भला नहीं चाह सकता। वर्क फ्रंट की बात करें तो, मौनी रॉय बहुत जल्द डेविड धवन की बहुप्रतीक्षित फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में दिखाई देंगी। इसमें उनके अलावा वरुण धवन, मृणाल ठाकुर, चंकी पांडे, पूजा हेगड़े, मनीष पॉल, जिमी शेरगिल, राकेश बेदी, और अली असगर जैसे सितारे भी हैं। कुछ समय पहले मौनी रॉय को सालाकार सीरीज में एक भारतीय महिला जासूस के रोल में देखा गया था।

फिट इंडिया

केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया नई दिल्ली में भारतीय रेलवे के सहयोग से 'गर्व से स्वदेशी' थीम पर 'फिट इंडिया: संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

पूजा-पाठ में लीन नजर आई अभिनेत्री : निया शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री निया शर्मा अपनी बिंदास और बोल्डनेस के लिए जानी जाती हैं। लेकिन इस बार वह पारंपरिक लुक में नजर आई। हाल ही में निया ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया, जिसमें वह पारंपरिक लुक में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें वह सफेद सूट में नजर आ रही हैं, जो उनकी सुंदरता को और निखार रहा है। लुक को आकर्षक बनाने के लिए उन्होंने मिनिमल मेकअप के साथ बड़े-बड़े झुमके पहने हुए हैं। वीडियो में अभिनेत्री पूजा करती नजर आ रही हैं। वहीं, बाकी तस्वीरों में वह दोस्तों के साथ मस्ती करती दिख रही हैं। उनके इस आध्यात्मिक अंदाज ने फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि वह आमतौर पर अपने ग्लैमरस और स्टाइलिश अवतार के लिए जानी जाती हैं। निया ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, पिछले हफ्ते मैं पूरी तरह पूजा-पाठ में डूबी रही! 'गणपति बाप्पा मोरया' जपते हुए और ढेर सारी आरतियां करते हुए मेरा समय बीता। फैंस उनके इस अंदाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं और कमेंट्स में उनके लिए प्यार भरे मैसेज लिख रहे हैं। इससे पहले अभिनेत्री ने एक पोस्ट के जरिए बताया था कि वह त्वचा और छोटी-मोटी समस्याओं के लिए केमिकल युक्त उत्पादों की बजाय घरेलू नुस्खों को आजमाने में रुचि रखती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें डार्क सर्कल्स को खत्म करने के लिए घरेलू नुस्खा बताया था। वीडियो में अभिनेत्री बेसन समेत कॉफी, चावल का पानी, हल्दी और थोड़ा शहद को सही अनुपात में लेकर एक पेस्ट बनाकर अप्लाई करती हैं। निया ने इस पैक को सिर्फ डार्क सर्कल्स पर ही नहीं बल्कि अपने पूरे चेहरे पर लगाया। अभिनेत्री ने इसके कैप्शन में लिखा, हर सुबह जब मैं रातभर 5,000 स्किनकेयर और डिटॉक्स ड्रिंक की रील्स देखकर उठती हूं (इतना सब करने के लिए जिंदगी में वाकई बहुत फुर्सत चाहिए), फिलहाल तो कॉफी, बेसन, शहद और हल्दी वाला फेस मास्क ही लगा रही हूं!

'एक चतुर नार' में कॉमेडी के रंग में नजर आएंगी दिव्या खोसला

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री दिव्या खोसला अपनी आने वाली फिल्म 'एक चतुर नार' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 12 सितंबर को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वो पहली बार कॉमेडी में हाथ आजमाती दिखाई देंगी। फिल्म की रिलीज से पहले दिव्या ने आईएएनएस से खास बातचीत में बताया कि वो हमेशा से ही कॉमेडी में हाथ आजमाना चाहती थीं। उनके अंदर कॉमेडी कूट-कूटकर भरी हुई है। दिव्या खोसला ने कहा, मुझे हमेशा से पता नहीं क्यों लगता रहा है कि कॉमेडी ही मेरी शैली है। और मैं हमेशा से इसे करना चाहती थी और ईश्वर से प्रार्थना करती थी कि मुझे एक कॉमेडी फिल्म में काम करने का मौका मिले। इसलिए जब यह मौका आया, तो मुझे लगा कि आखिरकार मुझे वह करने का मौका मिल रहा है जो मैं करना चाहती थी। शायद लोग मेरे इस पहलू को नहीं जानते, क्योंकि मैं असल जिंदगी में भी बहुत कॉमेडी करती रहती हूं।

उन्होंने आगे कहा, शायद इसलिए इस फिल्म में काम करते हुए मुझे काफी मजा आया और मुझे लगता है कि जब आप इसका आनंद लेते हैं और उस दबाव को नहीं लेते, तो यह आपके लिए सबसे अच्छी बात होती है, वह सफर वाकई सुखद होता है। 'एक चतुर नार' की कहानी हिमांशु त्रिपाठी ने लिखी है। इस फिल्म को उमेश शुक्ला ने डायरेक्ट किया है। यह एक ब्लैक कॉमेडी थ्रिलर फिल्म है। इसमें दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह 12 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म की कहानी एक छोटे शहर में रहने वाली होनहार लड़की की है।

वह बहुत ही महत्वाकांक्षी और चालाक है। इसमें उसके हाथ बड़े शख्स का प्राइवेट वीडियो आ जाता है। वो फिर उसे आगे बढ़ने की सीढ़ी की तरह इस्तेमाल करने लगती है। फिल्म में उनके सह-कलाकार नील नितिन मुकेश ने भी फिल्म में काम करने का अपना अनुभव कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू में साझा किया था। इसमें उन्होंने निर्देशक की अपने कलाकारों का अच्छी तरह से ख्याल रखने और उन्हें उड़ान भरने की पूरी आजादी देने के लिए सराहना की थी।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में एवं साध्वी श्री शशिप्रभाजी के सान्निध्य में आचार्य श्री जयमल जी का 318वां जन्म महोत्सव सामायिक, तप त्याग और गुणानुवाद के साथ मनाया गया।

'जीतो ज़ेवर एक्सपो व ब्राइडल स्टोरी' में हुई हमसफ़र की खोज

इग्नाइट युवा सम्मेलन में जुटे सैंकड़ों युवक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन नॉर्थ चैप्टर, जीतो एपेक्स महिला विंग एवं जीतो केकेजी ज़ोन के संयुक्त तत्वावधान में त्रिपुरा वासिनी सभागार में चल रहे 'जीतो जेवर एक्सपो एवं दि ब्राइडल स्टोरी' में नार्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री विजय सिंघवी ने कार्यक्रम की जानकारी दी। संयोजक सुरेश गन्ना ने बताया कि इस प्रदर्शनी के अवलोकन करने कर्नाटक सरकार में मंत्री केएच मुनियप्पा, पूर्व उपमुख्यमंत्री अश्वत्थनारायण, विधायक प्रिया कृष्णा, विधायक कृष्णा नायक, अनुश्री आदि उपस्थित थे। अविवाहितों को जीवन साथी की खोज में सहायता करने, एक दूसरे को जानने एवं अभिभावकों को राहत प्रदान करने के उद्धेश्य से हमसफर एक खोज का आयोजन किया गया जिसमे 160 पंजीकृत अविवाहितों के साथ उनके अभिभावकों ने भाग लिया। संयोजक अरुण नाहर व सह संयोजक सुनील लोढ़ा ने आशा व्यक्त की कि जीतो के इस आयोजन से अविवाहितों के जीवन साथी के खोज में सहायता मिलेगी। जीतो अपेक्स मेट्रिमोनी के दीपक सुराणा ने कहा कि बड़ी संख्या में पंजीकरण अभिभावकों की सामाजिक चिंता को दिखाता है जो सोचनीय विषय है। गौतम जैन, राजेंद्र दुधेड़िया व सुषमा सेठिया ने कार्यक्रम का संचालन किया।

प्रदर्शनी में आयोजित इग्नाइट युवा सम्मेलन में मुख्य वक्ता कर्नाटक सरकार में इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी एवं बीटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे ने देश और समाज में जैन समुदाय द्वारा दिए जा रहे अद्वितीय सहयोग पर प्रकाश डाला। कर्नाटक की प्रगति पर बोलते हुए खरगे ने कहा कि राज्य आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। विश्व स्तर पर कर्नाटक ने अग्रणी स्थान प्राप्त किया है और तकनीकी क्षेत्र में सर्वोच्च उपलब्धि हासिल करने की दिशा में निरंतर विकास कर रहा है। उन्होंने कर्नाटक को गति और प्रगति का प्रतीक बताया और विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में यह क्षेत्र वैश्विक विकास का केंद्र बनेगा। पैनल चर्चा में रामेश्वरम ग्रुप के संस्थापक राघवेंद्रराव ने अपनी व्यावसायिक यात्रा साझा की। पैनल चर्चा में घोड़ावत ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर श्रेणिक घोड़ावत ने विकसित भारत विषय पर अपने विचार साझा किए। जीतो नार्थ अध्यक्ष अध्यक्ष विमल कटारिया एवं महामंत्री विजय सिंघवी ने युवाओं को सामाजिक एवं व्यापारिक लीडर बताया। युवा विंग अध्यक्ष अनीश भोजानी व मुख्य सचिव आशीष टपरावत ने सभी का स्वागत करते हुए आयोजन के उद्देश्यों को रखा। जीतो युवा विंग डायरेक्टर इंचार्ज प्रवीण शाह ने युवाओं से कहा कि बिना कोई मौका गवाएं आगे बढ़कर कार्य करना होगा। आयोजन संयोजक जयेश दक तथा सह संयोजक राशि भंडारी व ख़ुशी ओसवाल ने इस प्रेरणादायक सत्र के प्रायोजक केकेजी जोन के अध्यक्ष प्रवीण बाफना परिवार को धन्यवाद दिया।

'साधना और जिनप्रभावना के साथ अपने जीवन को सार्थक किया आचार्य जयमल ने'

अलसूर संघ में आचार्य जयमल का जन्मोत्सव मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में एवं साध्वी श्री शशिप्रभाजी के सान्निध्य में आचार्य श्री जयमल जी का 318वां जन्म महोत्सव सामायिक, तप त्याग और गुणानुवाद के साथ मनाया गया। शहर के मुदलियार संघ सभागार में आयोजित कार्यक्रम में आचार्य जयमल जी का गुणगान करते हुए साध्वी निपुणप्रभा जी ने कहा कि आचार्य जयमल ने अपने जीवन को साधना और जिनशासन की प्रभावना के साथ सार्थक किया। युवावस्था में दीक्षा ले कर स्वयं को संयम को सुपुर्द कर दिया। मात्र 3 वर्षों में संपूर्ण बत्तीस आगम कंठस्थ कर अभेद्य कीर्तिमान बनाया। गुरु भक्ति में गुरु के देहावसान के बाद करीब 50 वर्ष तक सो कर शयन नही किया।

वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि आम व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में भूख, प्यास और नींद के आगे हार जाता है। आचार्य जयमल वो साधक थे जिन्होंने अपने जीवन में तीनों को परास्त का युग प्रधान आचार्य बने। आजीवन उन्होंने ब्रह्मचर्य व्रत पाला और घोर तपस्या कर इस शरीर का सार निकाला। उनका शरीर हमारे जैसा ही था किंतु संकल्प भीष्म जैसा था। अलसूर संघ की ओर से आचार्य जयमलजी का परिचय देते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने कहा कि आचार्य जयमल जी ने मात्र तीन घंटों में प्रतिक्रमण याद किया और तत्कालीन यति व्यवस्था से जैन समाज को मुक्त कराया। श्राविका मंडल के मंगलाचरण से प्रारंभ आयोजन में जेपीपी महिला फाउंडेशन एवं नवकार बहु मंडल ने भक्ति नाटिका और ब्राह्मी बालिका मंडल ने आचार्य जयमल जी के दीक्षा प्रसंग को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया। जैन युवक संघ अलसूर के अध्यक्ष लोकेश तातेड ने गुरु जयमल को भक्ति सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय जयमल जैन श्रावक संघ के नवमनोनीत अध्यक्ष अरुण गोटावत, कर्नाटक के अध्यक्ष उत्तमचन्द गादिया, जेपीपी महिला फाउंडेशन की राष्ट्रीय महामंत्री अमिता नाहर का संघ की ओर से सम्मान किया गया। समारोह में चेन्नई, सेलम, इरोड, वेल्लोर, मैसूर, रायचूर , नरनौल, हैदराबाद, बोलारम, सहित बेंगलूरु के अनेक संघ सदस्य उपस्थित थे। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। समारोह में बेंगलूरु महासंघ के अध्यक्ष भीकमचंद सकलेचा, कैलाशचंद बोहरा, रेवंतमल नाहर, नौरतनमल बोकड़िया सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे। साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया। महिला मंडल, जैन युवक संघ, नवकार बहु मंडल ने व्यवस्था में सहयोग दिया।

सुख अगर घर में नहीं तो कहीं और वो मिलेगा नहीं : आचार्य विमलसागरसूरी

मनोविज्ञान के आधार पर आयोजित हुआ पारिवारिक सेमिनार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शनिवार को राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में रविवार को पारिवारिक सेमिनार का आयोजन हुआ। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने वर्तमान परिवेश, बदलती जीवनशैली, टूटते घर और बिखरते परिवारों के अंदरूनी तथ्यों का मार्मिक विश्लेषण किया। उन्होंने लोगों को आने वाली विषम परिस्थितियों का सामना करने के लिए मनपूर्वक तैयार रहने और संगठित बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सुख-शांति अगर आपके घर-परिवार में नहीं हैं तो आप उसे किसी अन्य स्थान, व्यक्ति अथवा वस्तु से प्राप्त नहीं कर सकोगे। परिवार और खून के रिश्ते जितना सुख, सहयोग, साहस, शांति और शक्ति दे सकते हैं, उतना कोई और नहीं दे सकता, इसलिए तो जो परिवार से हार या टूट जाते हैं, अक्सर वे न कभी खड़े हो पाते हैं और न कहीं जीत पाते हैं। जीवन में जो कुछ मिलता है, वह परिवार से मिलता है। जो कुछ बाहर से मिलता है, वह बिना परिवार के व्यर्थ सिद्ध हो जाता है। परिवार के प्रेम के बिना किसी भी वैभव का कोई मूल्यांकन नहीं हो सकता। हर एक व्यक्ति को जीवन की किसी अवस्था में यह अनुभव भलीभांति होता है।

पार्श्व बुद्धि वीर वाटिका के प्रांगण में विशाल संख्या में लोग अपने परिवारों के साथ सेमिनार में उपस्थित थे।

आचार्य विमलसागरसूरीजी ने समझाया कि परिवार का आपसी प्रेम और विश्वास इस संसार में उतरा साक्षात स्वर्ग है, इसलिए सबसे अधिक अपने परिवार के आपसी प्रेम, सम्मान, संस्कार, स्वभाव और उसकी सही नीति-रीति पर ध्यान दीजिये। यह परिवार के किसी एक व्यक्ति का दायित्व नहीं है, सबकी संयुक्त जिम्मेदारी है। यह भी सबको खयाल में रहना चाहिए कि परिवार में मनमानी, दादागिरी, झूठ, चोरी, चुगलखोरी, नारदविद्या, बेइमानी, भेदभाव, पक्षपात आदि नहीं चल सकते। इन सबके बगैर एक सामान्य परिवार भी अमीर और सुखी परिवार है। पैसों से परिवर या रिश्तों का मूल्यांकन नहीं हो सकता। जैनाचार्य ने अनेक रूपक, दृष्टांत और ऐतिहासिक घटनाओं के द्वारा विषय को मार्मिक ढंग से समझाया।

बेंगलूरु में प्राचीन परंपराओं को जीवंत करती 11 किलोमीटर की चैत्य परिपाटी आयोजित

जागृति सेवा परिवार केन्टोन्मेन्ट ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जागृति सेवा परिवार केन्टोनमेंट द्वारा मुनि विवेकविजयजी व साध्वी मुक्तिलब्धिश्री की निश्रा में 11 किलोमीटर की चैत्य परिपाटी का आयोजन किया गया। चैत्य परिपाटी यात्रा गुणवर्धक जैन संघ सुमतिनाथ मंदिर, कनकपुरा रोड़, बसवनगुड़ी सिमंधरस्वामी जैन मंदिर, संभवनाथ जैन मंदिर, अजितनाथ गृह जिनालय में दर्शन-वंदन कर जेसी रोड, कब्बन पार्क होते हुए शिवाजीनगर स्थित आदिनाथ जैन मंदिर पहुंची जहां सभी ने परमात्मा के दर्शन किए। वहां से यात्रा चंद्रप्रभस्वामी जैन मंदिर, ओसबान रोड नाकोड़ा पार्श्वनाथ जिनालय असाया रोड़, मुनिसुव्रतस्वामी जैन मंदिर कॉक्स टाउन दर्शन कर व्हिलर रोड़ से होते हुए मुनिसुव्रतस्वामी जैन मंदिर केन्टोनमेंट पहुँचकर चैत्य परिपाटी धर्म सभा में परिवर्तित हुई, जहाँ पर चैत्य परिपाटी के लाभार्थी परिवारों का सम्मान किया गया।

इस मौके पर मुनि विवेकविजयजी ने जिनेन्द्र भगवान के दर्शन मात्र से भव भव के पाप कट जाने की बात बताई। उन्होंने कहा कि जिनेश्वर परमात्मा प्राणी मात्र की रक्षा का उपदेश देते हैं। उनकी वाणी सकल विश्व के लिए कल्याणकारी होती है जिसका पालन करके संसार के सारे दुखों से मुक्ति मिल जाती है। जागृति सेवा परिवार ने चैत्य परिपाटी यात्रा की व्यवस्था संभाली। जागृति सेवा परिवार ने सभी जिनालयों में पूजन एवं विभिन्न उपयोगी सामग्री अर्पण की।

तेयुप यशवंतपुर के 'अभ्यर्थना-एक क्रांति की 2.0' धम्म जागरण में बही भिक्षु रसधारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ युवक परिषद यशवंतपुर के तत्वावधान में साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में तेरापंथ के आद्यप्रवर्तक आचार्यश्री भिक्षु के 223वें चरमोत्सव के उपलक्ष्य में बेंगलूरु स्तरीय विराट धम्म जागरण 'भिक्षु मेरे तारणहार' का आयोजन मेवाड़ भवन में आयोजित किया गया। साध्वीश्री सोमयशाजी ने मंगलाचरण किया। साध्वी डॉ. सरलयशाजी एवं ऋषिप्रभाजी द्वारा भिक्षु जीवन चरित्र पर गीत का संगान किया गया। साध्वी सोमयशाजी ने कहा कि आचार्य भिक्षु ने सत्य की सुरक्षा के लिए अनेक संघर्षों को सहते हुए पुरुषार्थ की लौ को निरंतर जलते रखा, उसी प्रतिफल स्वरूप तेरापंथ के युवक परिषद जागरूक है। तेयुप के अध्यक्ष धर्मेश डूंगरवाल ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा मल्लेश्वरम मंडल वार्ड 45 के उपाध्यक्ष गौतम मुथा ने अपने विचार व्यक्त किए। तेरापंथ सभा यशवंतपुर के अध्यक्ष सुरेश बरड़िया ने आचार्य श्री भिक्षु के जीवन पर प्रकाश डाला। स्थानीय गायकों की भक्तिमयी प्रस्तुति के साथ संगायक ऋषि दुगड़ ने अपने आराध्य भिक्षु को याद करते हुए कंटालिया, सिरियारी, बगड़ी, केलवा जैसी तेरापंथ की ऐतिहासिक धरोहर को याद करते हुए वहां के इतिहास को दोहराते हुए अनगिनत गीतों की स्वर लहरियों से वातावरण को भिक्षुमय बना दिया।

धम्मजागरण में गौतमचन्द मुथा, तेरापंथ गांधीनगर सभा के पूर्वाध्यक्ष प्रकाश बाबेल, भिक्षुधाम ट्रस्ट के अध्यक्ष मदन नाहर, अणुव्रत गांधीनगर के अध्यक्ष ललित बाबेल, यशवंतपुर तेरापंथ सभा के शाखा प्रभारी नवनीत मुथा, मेवाड़ भवन के अध्यक्ष दिनेश कटारिया, सुमतिनाथ जैन मूर्तिपूजक के अध्यक्ष किशोर ओस्तवाल, शाखा प्रभारी राकेश दक, अभातेयुप के विनोद मुथा, विशाल पितलिया, गौतम खाबिया, महिला मण्डल की अध्यक्ष रेखा पितलिया आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रायोजक विनोदकुमार, दिलीपकुमार मांडोत परिवार का सम्मान संयोजक जिगर मारू एवं सहसंयोजक गगन बरड़िया ने सम्मान किया। तेयुप के मंत्री अभिषेक पोखरना ने धन्यवाद दिया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

निशुल्क लिम्ब शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के रोटरी क्लब बेंगलूरु जंक्शन द्वारा शंकरपुरम स्थित चंद्रशेखर भारती कल्याण मंडप में तीन दिवसीय नि:शुल्क वार्षिक मेगा लिम्ब कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें 350 जरूरतमंद दिव्यांग लाभान्वित हुए। क्लब के अध्यक्ष कमल करनानी, प्रथम महिला ममता करनानी, चेयरमैन शंकरलाल अग्रवाल, सचिव मनीष बोज्रवार सहित अनेक सदस्यों ने निशुल्क शिविर में सेवा प्रदान की।

प्रभु की भक्ति श्रद्धा भाव से करें : डॉ वरुणमुनि

गुरु अमर संयम अमृत महामहोत्सव की तैयारियां शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुजराती जैन संघ गांधीनगर में चातुर्मास विराजित डॉ वरुण मुनि जी ने रविवार को धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भक्ति , पूजा, भारतीय संस्कृति की एक आदर्श विशेषता है। यहां भगवान की पूजा होती है और गुरु की आदर भक्ति होती है। यहां अतिथि का भी आदर सत्कार किया जाता है।यह अतिथि की पूजा ही है। उन्होंने प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव की स्तुति रुप मानतुंग आचार्य द्वारा की गई अपार श्रद्धा भक्ति भाव से की स्तुति ऊर्जा रुप भक्तामर स्तोत्र की दिव्य महिमा पर चर्चा करते हुए कहा कि भक्त द्वारा की गई प्रभु की भक्ति रुप यह कालजयी रचना बहुत ही कल्याणकारी और मंगलकारी है। आज भी जिनशासन के हर साधक परिवार में प्रातः काल इस महान चमत्कारी प्रभावशाली भक्तामर स्तोत्र की स्तुति प्रार्थना बड़े ही श्रद्धा भक्ति उत्साह के साथ की जाती है।

वरुणमुनिजी ने बताया कि गुरु आत्म जयंती समारोह, गुरु शुक्ल पावन जन्मोत्सव एवं गुरु पद्म पुण्य रजत जयंती वर्ष के अवसर पर गुरु अमर संयम अमृत महामहोत्सव का आयोजन 5 अक्टूबर को सरदार पटेल भवन, वसंतनगर में किया जा रहा है। गुजराती वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ गांधीनगर के तत्वावधान में श्रमण संघीय उप प्रवर्तक श्री पंकजमुनि जी की निश्रा में आयोजित इस कार्यक्रम में आचार्य डॉ देवेन्द्र सागरसूरीश्वरजी व महापद्म सागर जी की विशेष उपस्थिति रहेगी।

दान, सेवा, परोपकार की भावना के साथ मानवता का गुण जरूरी : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने ने भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराधयंयन सूत्र पर सारगर्भित विवेचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि संसार में चार अंग की प्राप्ति होना अति दुर्लभ है वह है मनुष्यत्व, श्रुत वाणी का श्रवण, श्रद्धा और चौथा है संयम में पराक्रम। अल्प कषाय वाले, प्रकृति से सरल, विनीत, विनयवान, दयावंत और मद मत्सर भाव से रहित आत्मा को ही मनुष्य जन्म की प्राप्ति होती है। दान, सेवा परोपकार की भावना के साथ मानवता का गुण हर इंसान में अवश्य होना चाहिए तभी मानवीय गुणों से युक्त मानव धर्म साधना आराधना में भी आगे बढ़ते हुए अपना अनमोल मानव जीवन को सफल सार्थक बना सकता है। श्रद्धा भी परम दुर्लभ है। अतः साधक को चाहिए कि अपने धर्म पर सच्ची श्रद्धा रखें। संत गुरु का समागम मिलना भी बड़ी पुण्यवानी की बात है।

उन्होंने कहा कि साधक के जीवन में सबसे जरूरी चीज है। गुरु से सुनी तीर्थंकर परमात्मा की जिनवाणी को श्रद्धा भक्ति से श्रवण करके उस शाश्वत पवित्र, पावन, जीवन कल्याणकारी हितकारी मंगलकारी जिनवाणी को हृदयंगम करें अर्थात उन जिन वचनों पर सम्यक आचरण करें, क्योंकि बिना आचरण के ज्ञान भारभूत है। अतः जिनवाणी को श्रवण करके उसे अपने जीवन में आत्मसात करें, आचरण में लाएंगे तभी आपका गुरु वाणी सुनने का सही फल प्राप्त होगा।

उन्होंने साध्वी कुसुमवतीजी के जयंती प्रसंग पर उनके प्रेरक बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर भी सारगर्भित प्रकाश डालते हुए उन्हें आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत महान संयमी महाश्रमणी साध्वी रत्ना बताया।

श्री शालिभद्र मुनिजी, साध्वी डॉ मेघाश्रीजी, समृद्धि श्रीजी ने अपने विचार व्यक्त किए। महामंत्री महावीर चन्द मेहता ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए महासाध्वी श्री कुसुमवतीजी के गुण स्मरण किए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com